समीक्षात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन (CCT) अभ्यास, कक्षा - 9 (भाग-2)

विषय - हिन्दी

यू.टी. चंडीगढ़, शिक्षा विभाग

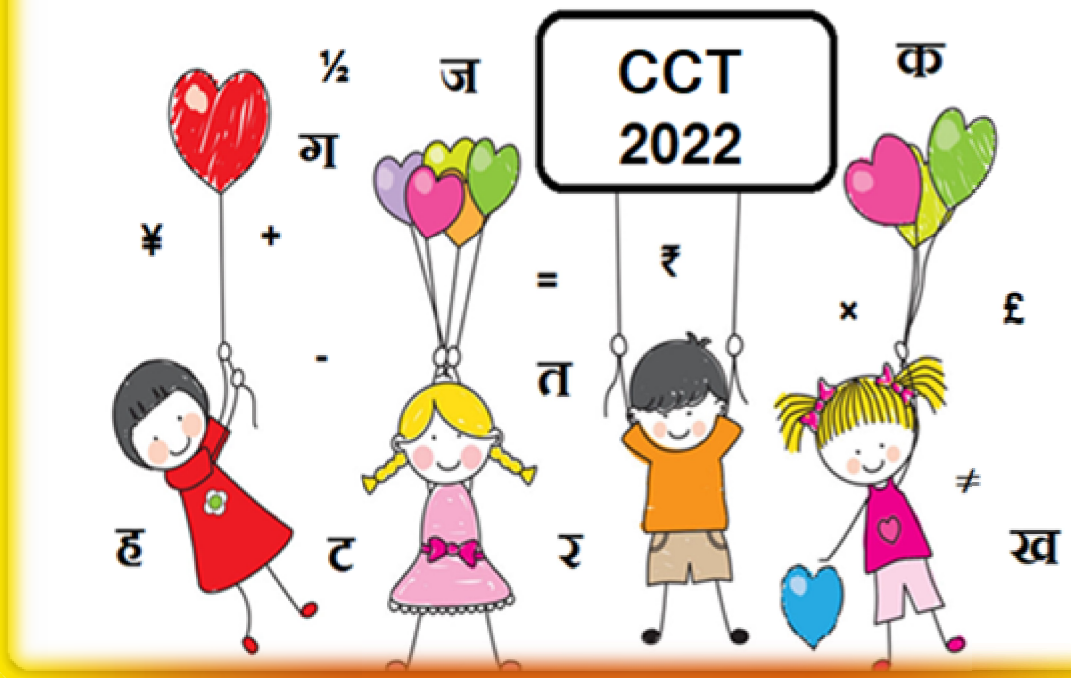

संकलित - राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर-8, चंडीगढ़।

प्रस्तावना :

प्रस्तुत पुस्तिका का निर्माण सन् 2022 में आयोजित होने वाली पीसा परीक्षा को ध्यान में रखकर किया गया है। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन कौशल की समझ विकसित करना है ताकि भाषाई समझ,तथ्य विश्लेषण-ग्रहण एवं आलोचनात्मक चिंतन आदि की ओर प्रवृत्त हों।जीवन के विविध आयामों तक विद्यार्थी की समझ विकसित हो और गणित के प्रति अभिरुचि बढ़े।वह सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार बने और ज्ञान के लिए पाठ्य पुस्तकों से इतर दुनिया की ओर अग्रसर हो।

सहयोग समिति:

प्राचार्य श्रीमती रंजना श्रीवास्तव,राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 8, चंडीगढ़

प्राचार्य श्रीमती डॉ प्रीति गर्ग राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 23, चंडीगढ़

निर्माण समिति :

1. नरेंद्र सिंह, दृष्टि बाधितार्थ संस्थान, सेक्टर 26, चंडीगढ़
2. बृजरानी राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चंडीगढ़
3. रेनू कटोच राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 37, चंडीगढ़
4. नीलम चोपड़ा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 27, चंडीगढ़
5. नीना राणा राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 42, चंडीगढ़
6. कपिल शर्मा राजकीय उच्च विद्यालय, सेक्टर 53, चंडीगढ़
7. डॉ० दिनेश चंद्र राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 12, चंडीगढ़
8. जसविंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 22, चंडीगढ़
9. रीता वसिष्ट राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, पॉकेट नंबर 1, मनीमाजरा, चंडीगढ़
10. किरण बाला राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 26, टिंबर मार्केट, चंडीगढ़
11. गौरव कुमार राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़
12. रजनी खरबन्दा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 35, चंडीगढ़

दिशा निर्देश

शिक्षक रणनीति (कैसे सिखाना है):

- कहानियों के विभिन्न हिस्सों के लिए विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करेंगे।
- मौन वाचन
- विद्यार्थियों को समूह में बांटकर सस्वर वाचन
- एक विद्यार्थी द्वारा संपूर्ण कक्षा के समकक्ष वाचन
- समूह चर्चा
- अध्यापक: एक स्त्रोत

दक्षताएँ :

- वार्तालाप
- रचनात्मक सोच
- सूचनाओं की पुन:प्राप्ति
- समस्या समाधान
- कल्पनात्मकता का विकास

विभिन्न आयाम:

- कला एवं साहित्य
- गणित
- समाज व पर्यावरण
- विज्ञान

	Reading Literacy (Hindi)				
	Class : 9	**Part-2**	**आयु वर्ग : 14-15**		
Serial No. **प्रतिमान संख्या**	**Name of the Module** **प्रतिमान का नाम**	**Learning outcomes (as per NCERT) (Code)** **सीखने के प्रतिफल (कोड)**	**Taxonomy**	**Source**	**Page No.**
1	बाल मजदूरी	903, 905, 908, 910,918	Understand Analyze	इंटरनेट से साभार	7
2	मेरी एवेरेस्ट शिखर यात्रा	904, 906, 911, 915	Remember Create	पाठ्य पुस्तक	12
3	मानवीय गुण; नम्रता	904, 912, 917, 919	Remember Apply	पत्रिका	15
4	पर्यटन	902, 904, 906, 909, 916	Remember Create	समाचार पत्र	18
5	समय का महत्व	908,910,911	Understand Apply	स्वरचित	22
6	रेलवे स्टेशन	901, 905, 910, 914	Understand Analyze	पत्रिका	25
7	प्लास्टिक वरदान या अभीशाप	905, 906 , 907	Understand Apply	स्वरचित	29

8	प्रदूषण का कारण घटते वन	909, 911, 914, 916	Understand Apply	इंटरनेट से साभार	32
9	जल - धरा	905, 907, 909, 908, 919	Remember Apply	इंटरनेट से साभार	36
10	भूमंडलीकरण	902, 903, 905, 906, 913	Understand Apply	स्वरचित	40
11	दो बैलों की कथा	901, 904, 908, 910, 911, 917	Remember Create	पाठ्यपुस्तक	44
12	ल्हासा की ओर	902, 904, 907, 908, 915	Remember Create	पाठ्यपुस्तक	47
13	एक कुत्ता और एक मैना	906, 908, 910, 911, 915, 917	Understand Apply	पाठ्य पुस्तक	50
14	देश भक्त- बिस्मिल	901,905, 906, 908, 910	Remember Apply, Create	पत्रिका	53
15	कर्तव्यपरायणता	904, 906, 909, 913, 917	Remember Apply, Create	स्वरचित	57
16	शुक्र तारे के समान	903, 904, 909, 915, 918	Remember Apply	पाठ्य पुस्तक	60
17	डीजी लॉकर	903, 905, 906,	Remember	इंटरनेट	64

		907	Apply	से साभार	
18	अगरबत्ती	905, 910, 914, 919	Understand Analyze	इंटरनेट से साभार	67
19	किसान	901, 905, 906, 911, 915	Understand Evaluate	पत्रक	70
20	योजनाएँ और किसान	901, 903, 906, 910,912,916	Understand Apply	इंटरनेट से साभार	74
21	यातायात सुरक्षा नियम	902, 903, 906, 914, 918	Remember Apply	इंटरनेट से साभार	78

प्रतिमान - 1

स्त्रोत : पत्रिका	कक्षा - 9	भाग - 2
पाठ का प्रकार : गद्यांश	उप विषय : बाल मजदूरी	

सीखने के प्रतिफल :

903. पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने/समझने को उत्सुक हैं और उन्हें पढ़ते हैं।

905. समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधी समीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं।

908. अपने अनुभवों, भावों और दूसरों की राय, विचारों को लिखने की कोशिश करते हैं। जैसे--- आँख बंद करके यह दुनिया, व्हीलचेयर से खेल मैदान आदि।

910. सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं।

918. अपने परिवेश की समस्याओं पर प्रश्न तथा साथियों से बातचीत/चर्चा करते हैं।

आज भारत में सारी दुनिया की तुलना में सबसे अधिक युवा हैं। 10 से 14 वर्ष की आयु के बच्चे देश की कुल जनसंख्या का एक तिहाई हैं। दुनिया के 10 से 19 वर्ष के किशोर और किशोरियों का घर भारत है। ऐसे में बच्चों को लेकर बनाई जाने वाली नीतियाँ और कानून प्रभावशाली होने चाहिए। आज के बच्चे कल का भविष्य हैं। यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रंस फंड की रिपोर्ट स्टेट ऑफ द वर्ल्ड चिल्ड्रन-2011 में जानकारी दी गई थी कि भारत में 24 करोड़ 30 लाख बच्चे 10-19 आयु वर्ष के हैं। दूसरा स्थान चीन का, तीसरा स्थान अमेरिका का है। चौथे स्थान पर इंडोनेशिया और पाकिस्तान हैं। बच्चों के अधिकारों को संबोधित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय मजदूर संगठन ने भी गंभीरता से लेते हुए 2025 तक पूरी दुनिया से स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माने जाने वाले व्यवसायों से बाल-मजदूरी खत्म करने का लक्ष्य निर्धारित किया है परंतु अभी सफलता नहीं मिली है। विश्व भर में 12 जून को बाल श्रम के ख़िलाफ़ विश्व दिवस के रूप में मनाया जाता है।

तालिका 1.1 प्रति हजार व्यक्तियों पर नियुक्त बाल श्रमिकों का विभाजन।

	आयु (वर्ष में)	ग्रामीण		शहरी		कुल	
		लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ
2004-05	5-9	2	1	2	1	2	1
	10-14	54	49	44	24	52	43
2009-10	5-9	2	1	2	1	2	1
	10-14	27	21	24	28	26	18

चित्र 1.1 साक्षर निरक्षर लोगों का प्रतिशत जनगणना(2011)

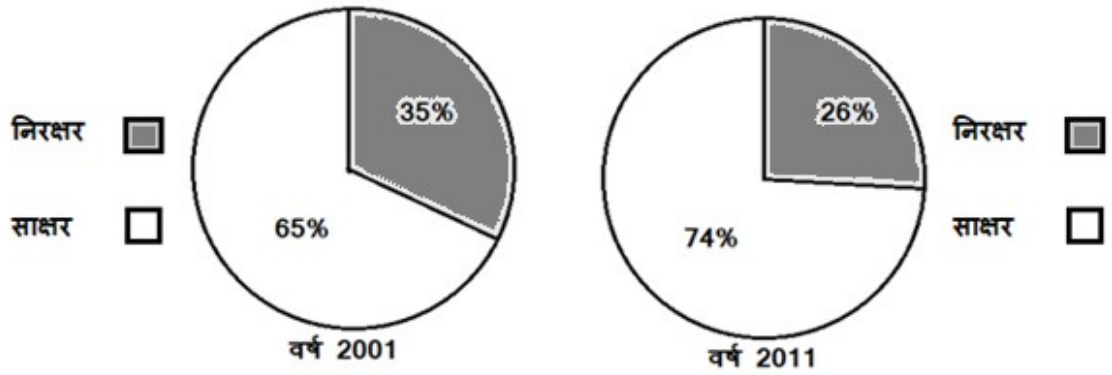

चित्र 1.2 2001 की जनगणना के अनुसार देश में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक व्यवसाय में लगे 5 से 14 वर्ष आयु के बच्चों का पाई चार्ट प्रस्तुतीकरण-

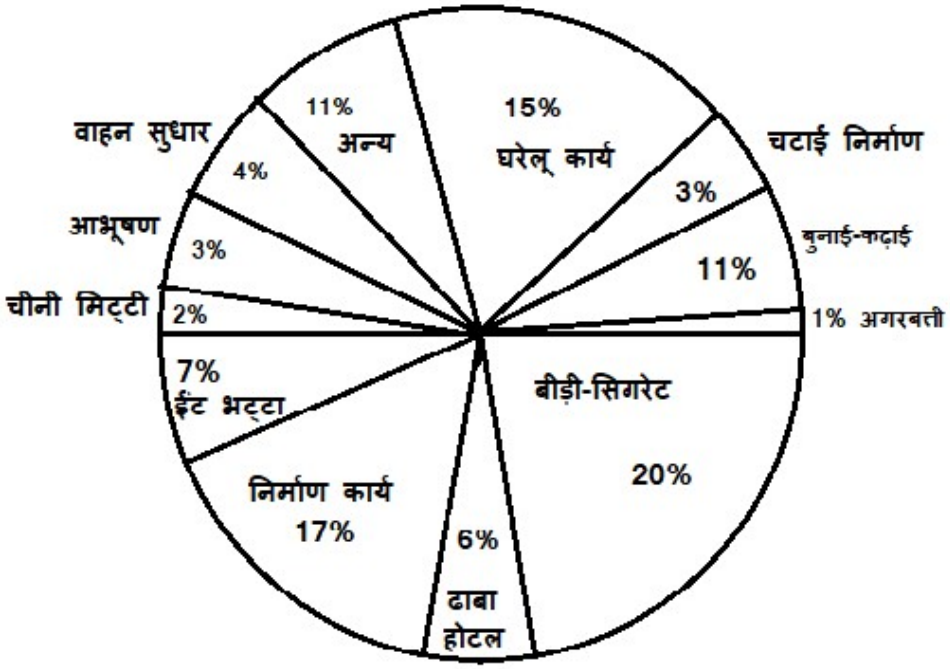

बाल मजदूरी में लगे हुए बच्चे अप्रशिक्षित कामगार बनकर रह गए हैं, अतः एक समय के बाद इनके पास रोजगार के अवसर सीमित रह जाते हैं। 'नेशनल सैंपल सर्वे' यह भी बताता है कि बाल मजदूरी के कारण बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों में वृद्धि हुई है। यह एक गंभीर मसला है। बाल अपराधों में 24% तक वृद्धि देखी गई है।सबसे अधिक वृद्धि उत्तर प्रदेश व सबसे कम आंध्र प्रदेश में है। बच्चों की सुरक्षा के लिए सरकारी तौर पर भी सहायता नंबर जारी किए गए हैं। बाल मजदूर और बाल भिखारी दिखे तो 1098 पर कॉल कर सकते हैं।

112 एकल आपातकाल नंबर

1091, 1090 महिलाओं और बुजुर्गों के लिए सहायता नंबर

011-26942369नेशनल कमीशन फॉर वुमन

100 पुलिस हेल्पलाइन

1096 एंटी स्टॉकिंग सेल

1. बाल-मजदूरी करने वाले बच्चों के लिए शिक्षा क्या भूमिका निभा रही है?
2. बाल श्रमिक सामान्यतः किन व्यवसायों से जुड़ेहैं, चित्र 1.2 के आधार पर बताए?
3. बाल मजदूर या कोई बच्चा भीख माँगता दिखे या महिलाओं के लिए सहायता चाहिए तो कौन से नंबर लगाए जाने चाहिए?
4. यदि एकल आपातकाल नंबर को शब्दों में 'एक सौ बारह' लिखेंगे तो 'नेशनल कमीशन फॉर वुमन' के नंबर 26942369 को शब्दों में कैसे लिखेंगे।
5. चित्र 1.1 के तुलनात्मक के आधार पर साक्षरता में कितनी प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है ?

प्रश्न क्रमांक	**दक्षता**	**प्रश्न प्रकार**	**संज्ञानात्मक स्तर**
1.	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2.	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
3.	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
4.	विश्लेषण	तुलनात्मक	औसत
6.	विश्लेषण	तुलनात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1.	FullCredit	शिक्षा से बाल मजदूरों की संख्या में कमी आई है, बच्चों को सुविधाएँ जैसे किताबें, खाना, दवाइयाँ, सकोलर्शिप आदि सुविधाएँ मुफ्त में दी जा रही हैं. जिसके कारण उनके स्वस्थय में भी सुधार हुआ है।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक विकल्प
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2	FullCredit	ईंट भट्टा, आभूषण, वाहन सुधार, घरेलू कार्य, चटाई निर्माण, अगरबती, बीडी सिगरेट ढाबा, होटल, निर्माण कार्य
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई चार
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	FullCredit	1098, 1091
	Partial Credit	1098/ 1091 कोई एक न
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	FullCredit	दो करोड़ उन्हत्तर लाख बयालीस हजार तीन सौ उन्हत्तर
	No Credit	असंगत/ अस्पष्ट /अन्य उत्तर
5	FullCredit	9%
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान - 2

स्त्रोत : पाठ्य पुस्तक (स्पर्श-भाग1)	कक्षा - 9	भाग-2
पाठ का प्रकार : गद्यांश	उप विषय : एवेरेस्ट - मेरी शिखर यात्रा	

सीखने के प्रतिफल :

904. अपनी पसंद की अथवा किसी सुनी हुई रचना को पुस्तकालय या अन्य स्थान से ढूँढ़कर पढ़ने की कोशिश करते हैं।

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

911. पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त, जैसे--कविता, कहानी, एकांकी, गद्य-पद्य की अन्य विधाओं को पढ़ते-लिखते हैं और कविता की ध्वनि और लय पर ध्यान देते हैं।

915. अपने साथियों की भाषा, उनके विचार, व्यवहार, खान-पान, पहनावा संबंधी जिज्ञासा को कहकर और लिखकर व्यक्त करते हैं।

एवरेस्ट की तरफ गौर से देखते हुए, मैंने एक भारी बर्फ का बड़ा फूल(प्लूम) देखा, जो पर्वत-शिखर पर लहराता एक ध्वज-सा लग रहा था।मुझे बताया गया कि यह दृश्य शिखर की ऊपरी सतह के आसपास 150 किलोमीटर अथवा इससे भी अधिक की गति से हवा चलने के कारण बनता था, क्योंकि तेज हवा से सूखा बर्फ पर्वत पर उड़ता रहता था। बर्फ का यह मेज़ 10 किलोमीटर या इससे भी लंबा हो सकता था।शिखर पर जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को दक्षिण-पूर्वी पहाड़ी पर इन तूफानों को झेलना पड़ता था, विशेषकर खराब मौसम में। यह मुझे डराने के लिए काफी था,फिर भी मैं एवरेस्ट के प्रति विचित्र रूप से आकर्षित थी और इसकी कठिन चुनौतियों का सामना करना चाहती थी। हिमपात अपने-आप में एक तरह से बर्फ के खंडों का अव्यवस्थित ढंग से गिरना ही था।हमें बताया गया कि ग्लेशियर के बहने से अक्सर बर्फ़ में हलचल हो जाती थी, जिससे बड़ी-बड़ी बर्फ़ की चट्टानें तत्काल गिर जाया करती थीं और अन्य

कारणों से भी अचानक प्रायः खतरनाक स्थिति धारण कर लेती थीं।सीधे धरातल पर दरार पड़ने का विचार और इस दरार का गहरे-चौड़े हिम विदर में बदल जाने का ख्याल मात्र ही बहुत डरावना था।इससे भी ज्यादा भयानक इस बात की जानकारी थी कि हमारे संपूर्ण प्रवास के दौरान हिमपात लगभग एक दर्जन आरोहियों और कुलियों को प्रतिदिन छूता रहेगा।

1. एवरेस्ट की तरफ लेखिका को कौन-सा भारी फूल दिखाई दिया?
2. शिखर पर चढ़ने वालों को किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है? इनका क्या परिणाम होता है?
3. अभियान के सदस्यों को क्या बताया गया था?
4. एवरेस्ट की चढ़ाई के दौरान अच्छे मौसम में पर्वतारोही एक घंटे में 2.5 किलोमीटर की दूरी तय कर लेते है व मौसम खराब होने की स्थिति में उनकी गति मात्र 2 किलोमीटर प्रति घंटा रह जाती है। यदि चलने के एक घंटे के बाद ही तूफान शुरू हो गया तो लेखिका को 6.5 किलोमीटर की दूरी तय करने में कितना समय लगा होगा?
5. किस जानकारी ने लेखिका को भयभीत कर दिया?

क्रम संख्या	**दक्षता**	**प्रकार**	**संज्ञानात्मक स्तर**
1.	सूचना की पुनः प्राप्ति	व्याख्यात्मक	औसत
2.	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3.	सूचना की पुनः प्राप्ति	व्याख्यात्मक	औसत
4.	विश्लेषण	तुलनात्मक	कठिन
5.	सूचना की पुनः प्राप्ति	व्याख्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	FullCredit	प्लूम, हवाओं के कारण चक्करदार बर्फीली आकृति
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	FullCredit	पहाड़ी तूफान, हिमपात, गलेशियर का बहना और बर्फ के खंडो का अव्यवस्थित रूप से गिरना, धरातल पर दरार का पड़ना, शिखर यात्रा स्थगित करनी पड़ती है
	Partial Credit	उपरोक्त दोनों में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	FullCredit	ऊपरी शिखर पर 150 किलोमीटर से भी अधिक गति से हवाएं चलती हैं,हिमपात उन्हें प्रतिदिन छुएगा
	Partial Credit	हिमपात से सामना
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	FullCredit	3घंटे
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	FullCredit	तूफान के कारण सूखा बर्फ पर्वत पर उड़ता रहता है यह 10 किलोमीटर से भी लम्बा हो सकता है और शिखर पर चढ़ने वालों को इसे झेलना पड़ेगा
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान - 3

स्त्रोत : पत्रिका	कक्षा - 9	भाग - 2
पाठ का प्रकार : गद्यांश	उप विषय : मानवीय गुण - नम्रता	

सीखने के प्रतिफल :

904. अपनी पसंद की अथवा किसी सुनी हुई रचना को पुस्तकालयया अन्य स्थान से ढूँढ़कर पढ़ने की कोशिश करते हैं।

912. संगीत, फ़िल्म, विज्ञापनों खेल आदि की भाषा पर ध्यान देतेहैं। जैसे--- उपर्युक्त विषयों की समीक्षा करते हुए उनमें प्रयुक्तरजिस्टरों का उपयोग करते हैं।

917. जाति, धर्म, रीति-रिवाज़, जेंडर आदि मुद्दों पर प्रश्न करते हैं।

919. सभी विद्यार्थी अपनी भाषाओं की संरचना से हिंदी कीसमानता और अंतर को समझते हैं।

नम्रता का अर्थ दूसरों का मुँह ताकना नहीं है। इससे तो प्रज्ञा मंद पड़ जाती है। संकल्प क्षीण होता है, विकास रूक जाता है तथा निर्णय क्षमता नहीं आती। मनुष्य को अपना भाग्य विधाता स्वयं होना चाहिए। अपने फैसले तुम्हें स्वयं ही करने होंगे। विश्वासपात्र मित्र भी तुम्हारी जिम्मेदारी नहीं ले सकता। हमें अनुभवी लोगों के अनुभवों से लाभ उठाना चाहिए। लेकिन हमारे निर्णयों तथा हमारे विचारों से हमारी रक्षा या पतन होगा। हमें नजरें तो नीचे रखनी हैं लेकिन रास्ता भी देखना है। हमारा व्यवहार कोमल तथा लक्ष्य उच्च होना चाहिए। संसार में हरिश्चंद्र और महाराणा प्रताप जैसे अनेक महापुरुष हुए हैं। जिन्होंने आजीवन कष्ट उठाए लेकिन सत्य और मर्यादा नहीं छोड़ी।हरिश्चंद्र की प्रतिज्ञा थी–

"चंद्र टरै, सूरज टरै, टरै जगत व्यवहार। पै दृढ़ श्री हरिश्चंद्र को,टरै न सत्य विचार।"

महाराणा प्रताप की स्त्री और बच्चे भूख से तड़पते आजीवन जंगलों में भटकते रहे लेकिन स्वतंत्रता नहीं छोड़ी। एक बार एक रोमन राजनीतिज्ञ बलवाइयों के हाथ पड़ गया। बलवाइयों ने

उससे व्यंग्यपूर्वक पूछा कि उसका किला कहाँ है तो उसने अपने हृदय पर हाथ रखकर कहा, 'यहाँ'। ज्ञान का गढ़ भी यहीं है। जो युवक सदा बातों में दूसरों का सहारा लेते हैं उनके आत्मा संस्कार उन्नति नहीं कर सकते। उन्हें स्वयं विचार करना तथा अपने निश्चय पर दृढ़ रहना चाहिए। दूसरों की बातों को तो समझना चाहिए, उनका अंध भक्त नहीं बनना चाहिए। तुलसीदास जी की सर्वप्रियता, कीर्ति तथा शांतिमय दीर्घ जीवन उनकी मानसिक स्वतंत्रता, निर्द्वंद्वता और आत्मनिर्भरता के कारण ही था। उनके समकालीन केशवदास जो विलासी राजाओं की कठपुतली बने रहे, दुर्गति को प्राप्त हुए। मनुष्य और दास में यही अंतर है। इसे स्वतंत्रता, आत्मनिर्भरता अथवा स्वावलंबन कुछ भी कह सकते हैं। इसी भाव की प्रेरणा से राम, लक्ष्मण बड़े-बड़े पराक्रमी वीरों पर विजय प्राप्त कर सकें। इसी प्रेरणा से हनुमान सीता की खोज कर सके तथा कोलंबस ने अमेरिका ढूँढ़ निकाला।

1. जीवन जीते हुए हमारी नज़रें तो नीची होनी चाहिए, पर उच्च क्या होना चाहिए?

2. नम्रता का अर्थ क्या नहीं है?

क) दूसरों का मुँह ताकना　　ख) विनीत होना

ग) मधुर बोलना　　घ) दूसरों का सम्मान करना

3. हरिश्चंद्र और महाराणा प्रताप ने आजीवन क्या नहीं छोड़ा?

क) अहिंसा की डगर　　ख) सत्य और मर्यादा

ग) क और ख दोनों　　घ) अहंकार

4. यदि आप महाराणा प्रताप के स्थान पर होते तो आप क्या करते?

5. आपके विचार में स्वतंत्रता के क्या मायने हैं? आपके लिए यह क्यों आवश्यक है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1.	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2.	विवेचन	बहुविकल्पी	कठिन
3.	विवेचन	बहुविकल्पी	कठिन
4.	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
5.	सृजन	वर्णात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1.	FullCredit	लक्ष्य, विचार
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	FullCredit	दूसरों का मुँह ताकना
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	FullCredit	ग) क और ख
	Partial Credit	क) या ख)
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	FullCredit	सत्य, मर्यादा, स्वतंत्रा को न छोड़ते (विद्यार्थियों के अन्य उत्तर मान्य)
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	FullCredit	जीवन जीने के लिए कोई सामाजिक, राजनैतिक दबाव न हो और स्वतंत्रता व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है (विद्यार्थियों के अन्य उत्तर मान्य)
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान - 4

स्रोत : समाचार पत्र	**कक्षा - 9**	**भाग - 2**
पाठ का प्रकार : गंद्यांश	**उप विषय : पर्यटन**	

सीखने के प्रतिफल :

902. अपने आस-पड़ोस के लोगों, स्कूली सहायकों या स्कूलीसाथियों की आवश्यकताओं को कह और लिख पाते हैं।

904. अपनी पसंद की अथवा किसी सुनी हुई रचना को पुस्तकालयया अन्य स्थान से ढूँढ़कर पढ़ने की कोशिश करते हैं।

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओंपर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

909. किसी सुनी, बोली गई कहानी, कविता अथवा अन्य रचनाओंको रोचक ढंग से आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं।

916. हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी के प्रति अपनी रुचि व्यक्तकरते हैं तथा इनमें प्रयुक्त होने वाली भाषा को जानने कीउत्सुकता रखते हैं

भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राहुल सांकृत्यायन पर्यटन पुरस्कार योजना 2017-18 एवं 2018-2019

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार राहुल सांकृत्यायन पर्यटन पुरस्कार योजना वर्ष 2017-18 एवं 2018-19 के अधीन प्रविष्टियां आमंत्रित करता है, जो कि पर्यटन से संबंधित विषयों पर हिन्दी में मौलिक पुस्तक लेखन को प्रोत्साहित करने के लिए है। प्रविष्टियां (i) 01 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018, (ii) 01 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019 तक की अवधि में प्रकाशित पुस्तक अथवा टाइप की गई पांडुलिपि के रूप में होनी चाहिए। इस योजना के अधीन निम्नलिखित पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे :—

क्र.सं.	पुरस्कार	संख्या	राशि
1.	प्रथम पुरस्कार	1 (एक)	40,000/- रुपये
2.	द्वितीय पुरस्कार	1 (एक)	30,000/- रुपये
3.	तृतीय पुरस्कार	1 (एक)	20,000/- रुपये
4.	सांत्वना पुरस्कार	1 (एक)	10,000/- रुपये

प्रविष्टियां विधिवत् रूप से निर्धारित प्रोफार्मा में भरकर पुस्तक / पांडुलिपि की 6 (छह) प्रतियों के साथ 01 अगस्त, 2019 तक संयुक्त निदेशक (राजभाषा), पर्यटन मंत्रालय, सी-1 हटमेंट्स, दारा शिकोह मार्ग, नई दिल्ली-110011, फोन : 011-23015594 को भेज दी जाएं। मंत्रालय में निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाली प्रविष्टियों पर विचार नहीं किया जाएगा। योजना के ब्योरे और निर्धारित प्रोफार्मा व्यक्तिगत रूप से अथवा डाक द्वारा उपर्युक्त पते से प्राप्त किया जा सकता है और इन्हें मंत्रालय की वेबसाइट अर्थात् www.tourism.gov.in से भी डाउनलोड किया जा सकता है।

अतुल्य ! भारत

1. यह आवेदन किस विभाग की ओर से है? भारत सरकार के किसी अन्य मंत्रालय का नाम बताएँ?
2. उपरोक्त आवेदन में किन प्रविष्टियों को आमंत्रित किया गया है?
3. सुंदर ने 26 मार्च 2018 को एक पुस्तक लिखी और दो महीने में प्रकाशित भी हो गई तो बताएं सुंदर किस प्रविष्टि के अंतर्गत आवेदन भरेगा?

4. यदि प्रथम पुरस्कार दो लोगों को, तृतीय पुरस्कार चार लोगों को और चतुर्थ पुरस्कार पाँच लोगों को दिया जाए। तो पुरस्कार की कुल धनराशि कितनी होगी?
5. क्या आपको कभी कोई पुरस्कार मिला है? आपके विचार से किसी भी अच्छे कार्य के लिए पुरस्कार क्यों आवश्यक है?

क्रम संख्या	**दक्षता**	**प्रकार**	**संज्ञानात्मक स्तर**
1.	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2.	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
3.	विश्लेषण	तुलनात्मक	कठिन
4.	विश्लेषण	तुलनात्मक	कठिन
5.	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	FullCredit	पर्यटन मंत्रालय, सूचना व प्रसारण मंत्रालय/ रक्षा मंत्रालय /सड़क परिवहन मंत्रालय आदि कोई भी
	Partial Credit	पर्यटन मंत्रालय या अन्य मंत्रालय का नाम
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	FullCredit	पर्यटन सम्बंधित विषय पर हिंदी में पुस्तक लेखन
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	FullCredit	1 अप्रैल 2018 से मार्च 2019 तक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	FullCredit	170000 रु
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	FullCredit	हाँ /नहीं और प्रोत्सहन के लिए, सकारात्मक सोच के लिए,दूसरों के मार्ग दर्शन के लिए
	Partial Credit	उपरोक्त दोनों में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 5

स्रोत : स्वरचित	कक्षा - 9	भाग - 2
पाठ का प्रकार : गद्यांश	उप विषय : समय का महत्व	
सीखने के प्रतिफल : **908.**अपने अनुभवों, भावों और दूसरों की राय, विचारों को लिखने की कोशिश करते हैं। जैसे--- आँख बंद करके यह दुनिया, व्हीलचेयर से खेल मैदान आदि। **910.**सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं। **911.**पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त, जैसे-कविता, कहानी, एकांकी, गद्य-पद्य की अन्य विधाओं को पढ़ते-लिखते हैं और कविता की ध्वनि और लय पर ध्यान देते हैं।		

समय रहते ही कार्य का महत्व है। समय बीत जाने पर किसी का कुछ महत्त्व नहीं रहता। इस संसार में सबसे अमूल्य वस्तु है- समय। जो इसे नष्ट करता है, वह स्वयं नष्ट हो जाता है। संसार में सभी चीजों को घटाया-बढ़ाया जा सकता है परंतु समय को नहीं। कबीर के अनुसार जो लोग सारा दिन खाने-पीने में और रात सो कर गुजार देते हैं, वे अपने हीरे जैसे अमूल्य जीवन को कौड़ी के बदले जाने देते हैं। ऐसे लोगों को उस समय पछताना पड़ता है। जब समय उनके हाथ से निकल जाता है। वह हाथ मल कर पश्चाताप के कड़वे फल प्राप्त करते हैं। किसी ने ठीक ही कहा है कि समय तथा समुद्र की लहरें किसी की प्रतीक्षा नहीं करती। हमें सदैव यह भी ध्यान रखना चाहिए कि समय की दुनिया में अमीर-गरीब ऊँच-नीच का भेदभाव नहीं है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिसने भी समय के महत्व को जाना है। वह सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ा है। विद्यार्थी जीवन में समय का अपना ही महत्व है कबीर जी ने कहा है -

"काल करे सो आज कर, आज करे सो अब। पल में प्रलय होएगी, बहुरि करेगा कब॥"

औरंगज़ेब ने अपने वसीयतनामा में लिखा है- जो व्यक्ति एक पल भी गफ़लत में गवाँ देता है, वह सारी उम्र पछताता है। गांधी जी कहा करते थे,"समय मित्रों के रूप में हमारे सामने आता है

और प्रकृति की अमूल्य भेंट लाता है, अगर हम उनका उपयोग न करें तो वे चुपचाप लौट जाएँ गे।" समय निकल जाने पर परिश्रम का कोई महत्व है ही नहीं। पूरा वर्ष कामना करके यदि आप सोचें कि असफल हुए बिना रह जाएंगे तो यह गलत धारणा है फिर केवल पछताना ही रह जाता है। प्रसिद्ध कवि और नाटककार शेक्सपियर ने अपने प्रसिद्ध नाटक जूलियस सीज़र में एक स्थान पर कहा है "गियर ऑफ टाइम" अर्थात हर व्यक्ति के जीवन में समय की एक लहर आया करती है जो उस लहर को पहचान कर पकड़ लेने में सफल हो जाया करता है। वह कभी भी किसी से पीछे नहीं रहता और इस दृष्टि से कभी भी सोचने की जरूरत नहीं पड़ती कि 'का वर्षा जब कृषि सुखाने'।

1. औरंगजेब ने अपने वसीयतनामा में क्या लिखा?
2. 'का वर्षा जब कृषि सुखाने' का भाव स्पष्ट कीजिए।
3. समय सारणी बनाते हुए अपनी दिनचर्या का उल्लेख कीजिए।
4. जून माह में आपने रोज़65 मिनट हिंदी विषय पढ़ा, इसी तरह रोज़ 40 मिनट अंग्रेज़ी व बाकि बचे विषयों को कुल 120 मिनट देते रहे। यदि आप हर रविवार आराम करते हैं तो बाकि 26 दिनों में आप ने कुल कितने मिनट व कितने घंटे पढ़ाई की?
5. "काल करे सो आज कर, आज करे सो अब। पल में प्रलय होएगी, बहुरि करेगा कब॥"

   पंक्तियाँ किस के द्वारा कही गईं हैं।

क्रम संख्या	**दक्षता**	**प्रकार**	**संज्ञानात्मक स्तर**
1.	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2.	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3.	सृजन	वर्णात्मक	कठिन
4.	विश्लेषण	तुलनात्मक	कठिन
5.	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	FullCredit	जो व्यक्ति एक पल भी गलफ़त में गवां देता है वह सारी उम्र पछताता है
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	FullCredit	समय के निकल जाने पर दुख करके कोई फायदा नहीं होता है।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	FullCredit	विद्यार्थी द्वारा उत्तर मान्य
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	FullCredit	97 घंटे 30 मिनट
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	FullCredit	कबीर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 6

स्रोत : पत्रिका	कक्षा - 9	भाग - 2
पाठ का प्रकार : गद्यांश	उप विषय : रेलवे स्टेशन	

सीखने के प्रतिफल :

901. सामाजिक मुद्दों (जेंडरभेद, जातिभेद, विभिन्न प्रकार के भेद) पर कार्यक्रम सुनकर/देखकर अपनी राय व्यक्त करते हैं।जैसे-जब सब पढ़ें तो पड़ोस की मुसकान क्यों न पढ़े? या मुसकान अब पार्क में क्यों नहीं आती?

905. समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधी समीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं।

910. सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं।

914. अपने आस-पास के रोज़ाना बदलते पर्यावरण पर ध्यान देते हैं तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सचेत होते हैं। जैसे–कल तक यहाँ पेड़ था, अब यहाँ इमारत बनने लगी?

रेलवे स्टेशन या प्लेटफार्म, नाम तो आपने सुना ही होगा।कभी-कभी लगता है कि रेलवे स्टेशन भारत की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन को देखने का सुंदर स्थल है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि हमारे देश में सबसे विस्तृत और सबसे सुलभ आवागमन का स्रोत,रेल सेवा ही हैऔर यही कारण है कि भारत को अगर आपको देखना,समझना है,भारतीय संस्कृति से साक्षात्कार करना है, तो कुछ पल रेलवे स्टेशन पर गुजारें। रेलवे माल ढोने को भी प्राथमिकता देता हैऔर यह इसकी आमदनी का बहुत बड़ा स्रोत है।इसके अलावा रेलवे स्टेशन पर माल गोदाम, पार्सल, रेल दफ्तर, रेलवे मेल सर्विस की भी सुविधाएं उपलब्ध है। भारतीय समाज की विविधता भारत की संस्कृति और हिंदुस्तान की एकता को आप रेलवे स्टेशन पर महसूस कर सकते हैं।समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से रेलवे स्टेशन या प्लेटफार्म को देखने के बाद ऐसा लगता है कि अभी भी हमारे देश में एक बहुत बड़ा तबका है और ढेर सारे ऐसे बच्चे हैं जो अपनी जिंदगी इन्हीं प्लेटफार्मों के आसपास गुजारते हैं; उनके जीवन-यापन का मुख्य स्रोत प्लेटफॉर्म ही है और

आते-जाते राहगीरों से यह अपना पेट पालते हैं, हालाँकि हमारे देश के अंतर्गत कुछ स्वयंसेवी संगठन ऐसे बच्चों के लिए रेलवे स्टेशन पर स्कूल भी चलाती हैं,मगर अभी भी रेलवे स्टेशन पर राहगीरों से पैसे माँगते बच्चे, बूढ़े, स्त्रियां,आपको नज़र आ ही जाएँगे, मुझे कभी-कभी लगता है कि भारतीय स्टेशन भारतीय संस्कृति का सूक्ष्म अध्ययन केंद्र भी है। इसके लिए आवश्यकता है कि आपके अंदर एक संवेदनशील दृष्टिकोण होना चाहिए। यह सच हैकि कई लेखकों साहित्यकारों की,अद्भुत रचनाएं रेलवे स्टेशन पर ही रची गई है। भावनात्मक रूप से रेलवे स्टेशन पर कई चीजें नजर आती है, किसी प्रिय का इंतजार करते लोगों के चेहरे को पढ़िए, बहुत कुछ आप समझ जाएंगे,किसी विदा करते हुए मुसाफिर के रिश्तेदारों की भाव- भंगिमा और पलकों पर रुकी हुई बूंदों को देखिये, तो निश्चित तौर से आपके अंदर भावनात्मक विचार उत्पन्न होंगे, आत्मीयता, सहिष्णुता, अपनापन, भाईचारा, असमंजस, अपेक्षा, न जाने कितने भाव रेलवे स्टेशन पर नजर आते हैं, किसी नेता या अधिकारी का इंतजार करने वाले लोगों का हुजूम देखिये, तो बहुत सारी चीजें आप समझ जाएँगे, रेलवे स्टेशन पर चढ़ने-उतरने का तनाव एक अलग ही कहानी कहती है और रेलवे स्टेशन के अंतर्गत रेल के जनरल डिब्बे भारत के अंतर्गत मूलभूत समस्याओं की तरफ इशारा करती है। रेलवे स्टेशन पर अपने माथे के ऊपर सामान ढोते हुए कुली को देखने के बाद लगता है कि सचमुच जिंदगी का बोझ बहुत बड़ा बोझ है। मुझे लगता है रेलवे स्टेशन पर दो प्रमुख सांस्कृतिक केंद्र होते हैं,एक चाय की दुकान और एक बुक स्टॉल। चाय की दुकानों पर बातचीत करते हुए लोग, समसामयिक विषयों पर चर्चा करते हुए लोग, आपको बहुत कुछ जानकारी दे देते हैं, आवश्यकता सिर्फ इस बात की है कि आप चुपचाप अपने चाय का मजा लेंऔर अपने ज्ञान की वृद्धि करते रहें। मैं एयर सर्विस के बजाय रेल सर्विस को ज्यादा प्राथमिकता देता हूं क्योंकि मुझे लगता है इसमें ज्यादा आत्मीयता है, ज्यादा अपनापन

का बोध होता है। जब भी मैं रेलवे स्टेशन पर गीता प्रेस सर्वोदय साहित्य और साहित्यिक पत्र पत्रिकाएं देखता हूँ तो ऐसा लगता है कि भ्रष्ट होते जा रहे समाज में तथा संवेदनाओ के सूखते हुए सरोवर में, अभी भी भारत के अंतर्गत आदर्शवाद बचा हुआ है और ढेर सारे ऐसे लोग हैं जो भारत की संस्कृति साहित्य को जिंदा रखे हुए हैं। रेल सर्विस एक सुंदर और सुगम साधन है, जहाँ आप अपनी यात्रा के साथ-साथ ढेर सारी चीजें सीख सकते हैं, वैसे भी कहा भी गया है कि यात्राएँ सिर्फ यात्राएँ नहीं होती, ज्ञान का बहुत बड़ा स्रोत भी होता है और अगर आप यात्रा करते हैं तो, यकीन मानिए आप जिंदगी से बहुत प्यार करते हैं और अंततः अगली बार जब आप यात्रा करें तो ट्रेन की खिड़की से बाहर झांकते हुए, भारत की विविधता को गौर से देखिए, तेज भागते हुए पेड़, पत्ते, गांव, सड़क, मकान, खेत-खलिहान के साथ जिंदगी का मजा ले, क्योंकि हमारी और आपकी जिंदगी एक सफ़र ही तो है।

1. हमारे देश का सबसे विस्तृत और सुलभ आवागमन साधन कौन सा है?
2. दिल्ली से मुंबई रेल के द्वारा जाते हुए 1384 किलोमीटर का रास्ता तय करना पड़ता है। यदि ट्रेन 50 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से दूरी तय करती है तो बताएं उसे कितना समय दिल्ली से मुंबई पहुँचने में लगेगा?
3. बच्चों आपने बाल मजदूरी के विषय में तो सुना ही होगा। बाल मजदूरी कितने वर्ष तक के बच्चों के लिए निषेध है? क्या आप इसे सही मानते हैं?
4. कुली रमेश प्रतिदिन 400 किलो सामान एक स्थान से दूसरे स्थान तक ढोता है, वहीं कुली राजेश 275 किलो सामान प्रतिदिन ढोता है, तो बताएं दोनों मिलकर 1 हफ्ते में कितने किलो सामान एक स्थान से दूसरे स्थान तक लेकर जाते हैं?
5. आमतौर पर रेलवे स्टेशन पर कौन सी पत्र-पत्रिकाएँ आज भी देखने को मिल जाती हैं?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1.	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2.	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन
3.	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
4.	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5.	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	FullCredit	रेल
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	FullCredit	27 घंटे 40 मिनट 48 सैकिंड या 27.68 घंटे
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	FullCredit	14 वर्ष , हाँ
	Partial Credit	14 वर्ष/ हाँ (उपरोक्त में से कोई एक)
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	FullCredit	4,725 किलो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	FullCredit	इण्डिया टुडे, धर्मयुग, सहेली, मनोरमा, खेल जगत आदि अन्य कोई भी दो
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 7

स्रोत : स्वरचित	कक्षा - 9	भाग - 2
पाठ का प्रकार - अनुच्छेद	उप विषय: प्लास्टिक वरदान या अभिशाप	

सीखने के प्रतिफल :

905. समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधी समीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं।

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

907. दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं।

प्लास्टिक एक तरह के पॉलीमर से निर्मित उत्पाद है। यह पूर्णता मनुष्य द्वारा निर्मित है। प्रकृति स्वयं इसका निर्माण नहीं करती इसलिए यह एक कृत्रिम पदार्थ कहलाता है। मनुष्य ने अपनी सुविधा के लिए अनेक वस्तुओं का निर्माण किया।जिसमें प्लास्टिक भी एक है। प्लास्टिक में अनेक गुण हैं, जिससे प्लास्टिक से बनी वस्तुओं की लोकप्रियता बढ़ती ही जा रही है। आज जहाँ देखो वहीं प्लास्टिक से बनी वस्तुएँ नज़र आती हैं। आज की दुनिया को प्लास्टिक की दुनिया कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।प्लास्टिक न केवल पानी में घुलता है बल्कि अन्य वस्तुओं को पानी में भीगने से भी बचाता है। इसलिए भवन निर्माण में,बसों में, कापियों में तथा अन्य वस्तुओं में प्लास्टिक कवर का प्रयोग किया जाता है। मोबाइल, टी०वी०, कुर्सियों में, रसोई घर में, वस्तुओं के भंडारण एवं संग्रहण, बड़े-बड़े उद्योगों मशीनों आदि कोई भी वस्तु प्लास्टिक के प्रयोग से अछूती नहीं है। यदि घर से आप अपना थैला ले जाना भूल जाएं तो भी आप अपना सामान प्लास्टिक की थैलियों में ला सकते हैं। हमें आधुनिक बनाने में प्लास्टिक का बहुत बड़ा हाथ है। कोई भी योजना इसके बिना अधूरी है। आज प्लास्टिक हमारे जीवन का अहम

हिस्सा बन चुका है। प्लास्टिक में अनेक गुणों के साथ-साथ कुछ दोष भी हैं। इसका प्रमुख दोष है यह है कि यह भूमि में नहीं मिल पाता। जिस प्रकार अन्य पदार्थ धरती में विलीन होकर नष्ट हो जाते हैं, प्लास्टिक नष्ट नहीं होता। इस प्रमुख दोष के कारण यह भूमि प्रदूषण का मुख्य कारण बन गया है। वर्तमान में प्लास्टिक की थैली के ढेर चारों ओर नजर आने लगे हैं। ऐसा लगता है मानो हम चारों तरफ से प्लास्टिक से घिरते जा रहे हैं। जो प्लास्टिक हमें सुख पहुंचा रहा था अब उसका अत्यधिक प्रयोग हमारे दुख का कारण बन बैठा है। प्लास्टिक के इस दोष से विश्व के कई देश सचेत हो चुके हैं और उन देशों में प्लास्टिक की थैलियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। दिल्ली में प्लास्टिक थैलों पर प्रतिबंध लग चुका है। अगर आपको बाज़ार जाना हो तो आप कागज़ अथवा कपड़े से निर्मित थैला ले जानाहोगा। परंतु यह प्रयोग भारत जैसे विशाल देश के लिए सागर में बूँद के समान है। इसे पूरे देश में लागू होना चाहिए। कहीं ऐसा न हो कि प्लास्टिक के ढेर में हम स्वयं अपना अस्तित्व खोज रहे हों

1. आपके अनुसार प्लास्टिक के वे गुण कौन-कौन से हैं जो प्लास्टिक को इतना उपयोगी बनाते हैं?
2. प्लास्टिक के उपयोग को रोकने के लिए अपने आसपास के लोगों को आप किस प्रकार जागरूक करेंगे?
3. एक आदमी महीने में औसतन 5 प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग करता है। यदि सेक्टर 8 की कुल जनसंख्या 58,203 है तो एक महीने में इस सेक्टर में कितनी थैलियों का उपयोग होता होगा?
4. प्लास्टिक वरदान से ज्यादा अभिशाप कैसे बन गया?
5. क्या प्लास्टिक के बिना भी जीवन संभव है? अपनी राय दें।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1.	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2.	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3.	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन
4.	विवेचन	वर्णात्मक	औसत
5.	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	FullCredit	प्लास्टिक पर पानी का असर नहीं होता, जल्दी खराब नहीं होती, देखने में आकर्षित
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	FullCredit	प्लास्टिक के हानिकारक प्रभाव बता कर ,प्लास्टिक की थैलों पर लगे प्रतिबंध के बारे मे बता कर (विद्यार्थी द्वारा अन्य सम्बंधित उत्तर भी मान्य हैं)
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	FullCredit	291015 थैलियाँ
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	FullCredit	व्यक्ति ने अपने सुख के लिए इसका अधिक प्रयोग किया, जो वस्तु कागज या कपडे के थैलों में आ सकती है उसके लिए भी प्लास्टिक का प्रयोग, किसी भी वस्तु की अधिकता नुकसान दायक होती है (विद्यार्थी द्वारा अन्य सम्बंधित उत्तर भी मान्य हैं)
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	FullCredit	हाँ/ नहीं, राय (विद्यार्थी द्वारा अन्य सम्बंधित उत्तर भी मान्य है)
	Partial Credit	उपरोक्त दो में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 8

स्रोत : इन्टरनेट से साभार	कक्षा - 9	भाग - 2
पाठ का प्रकार : अनुच्छेद	उप विषय : प्रदूषण का कारण - घटते वन	

सीखने के प्रतिफल :

909. किसी सुनी, बोली गई कहानी, कविता अथवा अन्य रचनाओंको रोचक ढंग से आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं।

911. पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त, जैसे--कविता, कहानी, एकांकी, गद्य-पद्य की अन्य विधाओं कोपढ़ते-लिखते हैं और कविता की ध्वनि और लय पर ध्यानदेते हैं।

914. अपने आस-पास के रोज़ाना बदलते पर्यावरण पर ध्यान देतेहैं तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सचेत होते हैं। जैसे–कलतक यहाँ पेड़ था, अब यहाँ इमारत बनने लगी?

916. हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी के प्रति अपनी रुचि व्यक्तकरते हैं तथा इनमें प्रयुक्त होने वाली भाषा को जानने की उत्सुकता रखते हैं।

"इस विश्व में मै अकेला नहीं हूँ, केवल मेरा ही अस्तित्व नहीं है, मिट्टी, पानी, अग्नि, वायु और पेड़-पौधों की सुरक्षा में हमारे अस्तित्व की सुरक्षा है।" इनके प्रदूषण का अर्थ है -जीवन को खतरे में डालना।भगवान महावीर ने कहा था,"मिट्टी, जल, वायु और वनस्पति इन सभी में जीव है, उनके अस्तित्व को अस्वीकार मत करो। इन सभी के अस्तित्व को स्वीकार करने वाला ही पर्यावरण के साथ न्याय कर सकता है। "पर्यावरण प्रदूषण विभिन्न रूपों में हमारे स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। वायु हमारे प्राणों का आधार है, पर आजकल हम जिस प्रकार की वायु में साँस ले रहे हैं, उसमें धूल धुआँ, राख, कालिख, कार्बन मोनोऑक्साइड जैसे हानिकारक तत्व हैं। इनसे आँख, गला, फेफ़ड़े आदि के रोग बढ़ रहे हैं। इसका कारण वृक्षों की अंधाधुंध कटाई है। जल का दूसरा नाम जीवन है, प्राणी जल के बिना जीवित नहीं रह सकता। आज पीने के लिए स्वच्छ जल मिलना दूभर हो गया है, क्योंकि हमने जल स्रोतों को ही प्रदूषित कर दिया

है। नगरों और शहरों की गंदगी और कारखानों के जहरीले रसायन नदियों में बहाए जा रहे हैं।गंगा जैसी पवित्र नदी भी अत्यधिक प्रदूषित हो गई है। जल संकट इतना विकराल रूप ले चुका है कि जीवन खतरे में आ गया है संपूर्ण भारत में लगभग 50 लाख धाराएँ हैं, जिनमें से लगभग 30 लाख हिमालय क्षेत्र में सूख चुकी हैं। अल्मोड़ा में बीते 150 सालों में 360 में से 300 धाराएं सूख चुकी है। लोगों ने खेती करना बंद कर दिया है। मैदानी इलाकों में पलायन शुरू हो गया है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार धाराओं के सूखने से मानव ही नहीं, जंगल और वन्य जीव भी प्रभावित हुए हैं। धाराओं में पानी की गुणवत्ता भी चिंता का विषय है। पानी में सूक्ष्मजीव,सल्फेट, नाइट्रेट, फ्लोराइड आर्सेनिक,आयरन धाराओं में बढ़ रहा है, जिससे भूमि का जल प्रदूषित हो रहा है। सर्दियों में होने वाली बारिश लगभग खत्म हो गई है।हिमालय, पश्चिमी घाट, पूर्वी घाट,अरावली और अन्य पर्वत श्रृंखलाओं में करीब 20 करोड़ लोग धाराओं पर ही निर्भर है। सिक्किम में 'रूरल मैनेजमेंट एंड डेवलपमेंट डिपार्टमेंट' ने 4-5वर्ष में 700 धाराओं को पुनर्जीवित करके दिखाया है। मनरेगा की मदद से धारा विकास के जरिए 900 मिलियन लीटर पानी रिचार्ज किया। इसी तरह नए निर्मित भवनों के निर्माण की अनुमति तब तक न होगी जब तक जल संचय का उचित प्रबंध न हो। पानी के उचित उपयोग के प्रति जागरूकता के लिए अभियान चलाया जा रहे हैं। भविष्य के जल संकट को देखते हुए हमें बहुत अधिक सावधानी बरतनी होगी और पानी की एक-एक बूँद बचानी होगी।

1. प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति का क्या कर्तव्य है?
2. पर्यावरण के सन्दर्भ में हमारी सुरक्षा कैसे संभव है?
3. यदि आज प्रत्येक मनुष्य 'संयमसूत्र' को अपनाकर जीवन निर्वाह करें तो पर्यावरण शुद्धीकरण के क्या परिणाम होंगे?

4. जल संकट के कारण उत्पन्न हुए भयानक परिणामों को देखते हुए आप अपने स्तर पर जल संरक्षण के लिए क्या प्रयास करेंगे?
5. पर्यावरण संरक्षण हेतु आपके विद्यालय में 1900 पौधे लगाने के लिए मँगवाए गए। 1450 पौधे पहले ही दिन रोप दिए गए। शेष पौधे लगाने का कार्य आपकी कक्षा के 45 छात्रों को सौंपा गया। बताएँ प्रत्येक छात्र को कितने पौधे रोपने होंगे ?

क्रम संख्या	**दक्षता**	**प्रकार**	**संज्ञानात्मक स्तर**
1.	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2.	सूचना की पुनः प्राप्ति	रचनात्मक	औसत
3.	सृजन	वर्णात्मक	कठिन
4.	विवेचन	वर्णात्मक	औसत
5.	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1.	FullCredit	प्राकृतिक संसाधनों के रख रखाव के लिय कार्य ,वृक्षों की कटाई को रोकना,जल प्रदूषण को रोकना,आस पास साफ सफाई रखना (अन्य सम्बंधित उत्तर भी मान्य)
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	FullCredit	मिट्टी, पानी, अग्नि वायु और पेड़ पौधों की सुरक्षा में ही हमारी सुरक्षा है
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	FullCredit	नदियों का जल स्वच्छ रहेगा,पर्यावरण हरा भरा रहेगा,वन्यजीव सुरक्षित महसूस करेंगे, वायु प्रदूषण रहित होगी(कोइ दो)
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	FullCredit	नहाने और वहान धोने में कम जल का प्रयोग, वर्षा जल का संरक्षण, अपशिष्ट पदार्थों को नदियों में न डालना आदि(अन्य सम्बंधित उत्तर भी मान्य)
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	FullCredit	10 पौधे
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 9

स्रोत : इन्टरनेट से साभार	**कक्षा - 9**	**भाग : दो**
पाठ का प्रकार : अनुच्छेद / चित्र	**उप विषय : जल धारा**	

सीखने के प्रतिफल :

905. समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होनेवाले विभिन्न कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधी समीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं।

907. दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं।

908. अपने अनुभवों, भावों और दूसरों की राय, विचारों को लिखने की कोशिश करते हैं। जैसे--- आँख बंद करके यह दुनिया, व्हीलचेयर से खेल मैदान आदि।

909. किसी सुनी, बोली गई कहानी, कविता अथवा अन्य रचनाओं को रोचक ढंग से आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं।

919.सभी विद्यार्थी अपनी भाषाओं की संरचना से हिंदी की समानता और अंतर को समझते हैं।

नदी भूतल पर प्रवाहित एक जलधारा है जिसका स्रोत कोई झील, हिमनद, झरना या बारिश का पानी होता है तथा ये किसी सागर अथवा झील में जा कर यह गिरती है। किसी अर्थव्यवस्था के विकास में नदियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। भारत नदियों का देश है भारत की नदियों को चार समूहों में वर्गीकृत किया जा सकता है -हिमालय से निकलने वाली नदियाँ

1. दक्षिण से निकलने वाली नदियाँ

2. तटवर्ती नदियाँ

3. अंतर्देशीय नालों से द्रोणी क्षेत्र की नदियाँ

अधिकांश भारतीय नदियाँ **पूर्व की ओर बहती हैं और बंगाल की खाड़ी में विलीन हो जाती** हैं **लेकिन भारत में कुछ नदियाँ ऐसी भी हैं;** जैसे - नर्मदा, माही और ताप्ती; **जो पूर्व से पश्चिम की ओर बहती हैं तथा अरब सागर में विलीन हो जाती हैं।**

हिमालय से निकलने वाली नदियाँ बर्फ और ग्लेशियरों के पिघलने से बनी है अतः इन में पूरे वर्ष के दौरान निरंतर प्रवाह **बना रहता है इनमें प्रमुख नदियाँ हैं-** गंगा,यमुना,सरस्वती, सतलुज, व्यास,चिनाब, जेहलम, सिंधु, **ब्रह्मपुत्र आदि। मानसून के दौरान हिमालय क्षेत्र में बहुत** अधिक वृष्टि होती है और नदियाँ बारिश पर निर्भर हैं अतः इनके आयतन में उतार-चढ़ाव होता रहता है।

भारत में कई तटवर्ती

नदियाँ भी हैं जो अपेक्षाकृत छोटी हैं। ऐसी नदियों में काफी कम नदियाँ पूर्वी तट के डेल्टा के निकट समुद्र में जा मिलती हैं। जबकि पश्चिमी तट पर ऐसी 600 नदियाँ हैं। राजस्थान में कुछ ऐसी नदियाँ भी है जो समुद्र में जाकर नहीं मिलती, ये खारे पानी की झीलों में जाकर मिल जाती हैं, जिसकी समुद्र में कोई निकासी नहीं होती। इसके अतिरिक्त कुछ मरुस्थल नदियाँ भी होती हैं जो कुछ दूरी तक बहती हैं फिर मरुस्थल में ही लुप्त हो जाती हैं। ऐसी नदियों में लूणी, मच्छक, स्पेहन बनास, सरस्वती और घग्घर आदि नदियों के नाम आते हैं।

1. किस भारतीय राज्य को पाँच नदियों की धरती कहा जाता है ?

   क) हरियाणा ख) गुजरात ग) उत्तर प्रदेश घ) पंजाब

2. नदी और नहर में क्या अंतर होता है?
3. यदि गंगा नदी की लंबाई 2525 किलोमीटर, सतलुज की लंबाई 1500 किलोमीटर, सिंधु 2880 किलोमीटरऔर रावी की लंबाई725 किलोमीटर है, तो बताइए कि सतलुज,गंगा से कितनी कम और रावी से कितनी अधिक लंबी है?
4. हिमालय से निकलने वाली नदी निम्नलिखित में से कौन सी नहीं है?

   क) गंगा
   ख) यमुना
   ग) भाखड़ा
   घ) सरस्वती

5. नदियों के आकर में उतार -चढ़ाव का क्या करण है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1.	विवेचन	बहुविकल्पीय	औसत
2.	व्यापक समझ	तुलनात्मक	कठिन
3.	विश्लेषण	तुलनात्मक	कठिन
4.	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
5.	सूचना की पुनः प्राप्ति	व्याख्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	FullCredit	घ) पंजाब
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	FullCredit	नदी प्राकृतिक निर्मित है और नहर मानव निर्मित है/ नदी हिमालय की पिघली बर्फ और ग्लेशियर के पिघलने से बनती हैं और नहर एक जगह से दूसरी जगह जल को प्रवाहित करने के लिए बनाई जाती है
	Partial Credit	नदी या नहर में से किसी एक का वर्णन
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	FullCredit	1025किलोमीटर सतलुज गंगा से कम , 775 किलोमीटर सतलुज रावी से अधिक लम्बी है
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	FullCredit	ग)भाखड़ा
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	FullCredit	नदियाँ हिमालय की बर्फ से पिघलने से बनती हैं इस लिए कम या अधिक होती रहती हैं/वर्षा अधिक या कम होने से इनके आकर में परिवर्तन आता
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 10

स्रोत : स्वरचित	**कक्षा - 9**	**भाग : दो**
पाठ का प्रकार : गद्यांश	**उप विषय : भूमंडलीकरण**	

सीखने के प्रतिफल :

902. अपने आस-पड़ोस के लोगों, स्कूली सहायकों या स्कूलीसाथियों की आवश्यकताओं को कह और लिख पाते हैं।

903.पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने/समझने को उत्सुक हैं और उन्हें पढ़ते हैं।

905.समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होनेवाले विभिन्न कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधीसमीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं।

906.देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओंपर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

913.भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे--- विशिष्टशब्द-भंडार, वाक्य-संरचना, शैली-संरचना, मौलिकता आदि।

आजकल भूमंडलीकरण शब्द का काफी प्रयोग हो रहा है।इसे वैश्विक बाजार के लिए प्रयुक्त किया जा रहा है। इसकी प्रक्रिया में एक देश दूसरे देश पर निर्भर हो जाता है। इससे लोगों के बीच दूरियाँ घट जाती हैं। वैश्विक बाजार में केवल वस्तुओं और पूंजी का ही संचरण नहीं होता अपितु लोगों का भी संचरण होता है।वैश्विक बाजार दो क्षेत्रों पर बल देता है-उदारीकरण और निजीकरण।उदारीकरण का अर्थ है- औद्योगिक और सेवा क्षेत्र की विभिन्न गतिविधियों से संबंधित नियमों में ढील देना और विदेशी कंपनियों को घरेलू क्षेत्र में व्यापारिक और उत्पादन इकाइयाँ लगाने हेतु प्रोत्साहित करना। निजीकरण के माध्यम से निजी क्षेत्र की कंपनियों को उन वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन की अनुमति प्रदान की जाती है जिनकी पहले अनुमति नहीं थी। भूमंडलीकरण प्रत्येक देश को विभिन्न ढंग से प्रभावित करता है। इसका प्रभाव विकसित

देशों पर विकासशील देशों से अलग किस्म का होता है।विकसित देशों में भूमंडलीकरण से नौकरयाँ कम हुई हैं क्योंकि कई कंपनियाँ उत्पादन खर्च को कम करने के लिए उत्पादन इकाइयों को विकासशील देशों में ले जा रही हैं।विकासशील देशों में भूमंडलीकरण खाद्यान्न एवं अन्य कई निर्मित वस्तुओं के उत्पादकों को प्रभावित करता है। भूमंडलीकरण ने अपना वैश्विक बाजार बनाने के लिए विकासशील देशों को दूसरे देशों से निश्चित मात्रा में कुछ वस्तुएँ खरीदना अनिवार्य कर दिया है। इन उत्पादों का भरपूर प्रचार किया जा रहा है। इनकी गुणवत्ता को बढ़ा-चढ़ाकर टीवी के स्क्रीन पर विज्ञापित कर नए ग्राहक ढूंढे जा रहे हैं। भूमंडलीकरण ने प्रतिभा पलायन को भी बढ़ावा दिया है।प्रतिभा संपन्न लोग मल्टीनेशनल कंपनियों की ओर भाग रहे हैं।इसी कारण स्थानीय बाजार को कड़ी स्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है।भारत प्रारंभ में सोने की चिड़िया कहलाता था। इसी आकर्षण ने विश्व बाजार का रुख भारत की ओर मोड़ दिया है भारत के उत्पाद भी विश्व के अनेक देशों में लोकप्रिय हो रहे हैं। भूमंडलीकरण देश की सरकारों को संसाधनों का निज़ीकरण करने के लिए उत्साहित करता है। इससे लाभ कमाने की दृष्टि से संसाधनों का शोषण होता है और पैसा कुछ लोगों के हाथ में इकट्ठा हो जाता है। भूमंडलीकरण सभी प्रकार की व्यापारिक गतिविधियों को नियमित एवं नियंत्रित करने की शक्ति सरकार के स्थान पर अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों को देता है जो अप्रत्यक्ष रूप से बहुराष्ट्रीय कंपनियों से ही संचालित होते हैं।

1. उदारीकरण का क्या अर्थ है?

2. अप्रत्यक्ष व निश्चित शब्दों के विलोम शब्द लिखें।

3. संसाधनों के निजीकरण से क्या-क्या लाभ एवं हानियाँ है?

4. भूमंडलीकरण देश के विकास में किस प्रकार सहायक है?

5. मोहित नया टेलीविज़न खरीदना चाहता था इसलिए बाज़ार में जाने पर उसे पता चला कि पुराना टेलीविजन देने पर उसे नए टेलीविज़न की कुल कीमत पर 25% छूट मिलेगी । यदि छूट प्राप्त करने के बाद नए टेलीविज़न के लिए उसने ₹18000 नकद चुकाता है तो नए टेलीविज़न की वास्तविक कीमत पता करें?

क्रम संख्या	**दक्षता**	**प्रकार**	**संज्ञानात्मक स्तर**
1.	सूचना की पुनः प्राप्ति	व्याख्यात्मक	औसत
2.	विवेचन	तार्किक	औसत
3.	सूचना की पुनः प्राप्ति	रचनात्मक	औसत
4.	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
5.	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1.	FullCredit	औद्योगिक और सेवा क्षेत्र की विभिन्न गतिविधियों से सम्बंधित नियमो में दिल देना और विदेशी कंपनियों को घरेलू क्षेत्र में व्यापारिक और उत्पादन लगाने हेतु प्रोत्साहित करना
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	FullCredit	प्रत्यक्ष, अनिश्चित
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	FullCredit	(लाभ) निजी कृत कंपनियों को लाभ मिलेगा, अपनी वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन की अनुमति प्रदान की जाती है (हानि)निजी कम्पनियाँ अपनी मनमानी कर सकती है
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक (लाभ या हानि)
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	FullCredit	दूसरे देशों से संपर्क बढता है,उत्पादन में वृद्धि विभिन देशों की दूरियां घटी हैं, रोजगार के अवसर बडे हैं
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	FullCredit	24000 रु
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 11

स्रोत : पाठ्य पुस्तक (क्षितिज-भाग1)	कक्षा - 9	भाग : दो
पाठ का प्रकार : गद्यांश	उप विषय : दो बैलों की कथा	

सीखने के प्रतिफल :

901. सामाजिक मुद्दों (जेंडरभेद, जातिभेद, विभिन्न प्रकार के भेद) पर कार्यक्रम सुनकर/देखकर अपनी राय व्यक्त करते हैं।जैसे-जब सब पढ़ें तो पड़ोस की मुसकान क्यों न पढ़े? यामुसकान अब पार्क में क्यों नहीं आती?

904. अपनी पसंद की अथवा किसी सुनी हुई रचना को पुस्तकालययया अन्य स्थान से ढूँढ़कर पढ़ने की कोशिश करते हैं।

908. अपने अनुभवों, भावों और दूसरों की राय, विचारों कोलिखने की कोशिश करते हैं। जैसे--- आँख बंद करके यहदुनिया, व्हीलचेयर से खेल मैदान आदि।

910. सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादिकर पाते हैं।

911. पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त, जैसे--कविता, कहानी, एकांकी, गद्य-पद्य की अन्य विधाओं कोपढ़ते-लिखते हैं और कविता की ध्वनि और लय पर ध्यानदेते हैं।

917. जाति, धर्म, रीति-रिवाज़, जेंडर आदि मुद्दों पर प्रश्न करते हैं।

जानवरों में गधा सबसे ज्यादा बुद्धिहीन समझा जाता है। हम जब किसी आदमी को परले दर्ज़े का बेवकूफ़ कहना चाहते हैं, तो उसे गधा कहते हैं। गधा सचमुच बेवकूफ़ है, या उसके सीधेपन, उसकी निरापद सहिष्णुता ने उसे यह पदवी दे दी है, इसका निश्चय नहीं किया जा सकता। गाय सींग मारती है, ब्याई हुई गाय तो अनायास ही सिंहनी का रूप धारण कर लेती है। कुत्ता भी बहुत गरीब जानवर है, लेकिन कभी-कभी उसे भी क्रोध आ ही जाता है किंतु गधे को कभी क्रोध करते नहीं सुना, न देखा। जितना चाहो गरीब को मारो, चाहे जैसी खराब, सड़ी हुई घास सामने डाल दो, उसके चेहरे पर कभी असंतोष की छाया भी न दिखाई देगी। वैशाख में चाहे एकाध बार कुलेल कर लेता हो पर हमने तो उसे कभी खुश होते नहीं देखा। उसके चेहरे पर एक विषाद स्थाई रुप से छाया रहता है। सुख-दुख, हानि-लाभ किसी भी दशा में उसे बदलते नहीं

देखा। ऋषि-मुनियों के जितने गुण हैं वे सभी उसमें पराकाष्ठा को पहुँच गए हैं पर आदमी उसे बेवकूफ़ कहता है। सदगुणों का इतना अनादर कहीं नहीं देखा। कदाचित सीधापन संसार के लिए उपयुक्त नहीं है। देखिए न, क्यों अमेरिका में भारतवासियों को घुसने नहीं दिया जाता? बेचारे शराब नहीं पीते, चार पैसे कुसमय के लिए बचा कर रखते हैं, जी तोड़कर काम करते हैं, किसी से लड़ाई- झगड़ा नहीं करते, चार बातें सुनकर गम खा जाते हैं फिर भी बदनाम है। कहा जाता है ,वे जीवन के आदर्श को नीचा करते हैं। अगर वे भी ईंट का जवाब पत्थर से देना सीख जाते, तो शायद सभ्य कहलाने लगते। जापान की मिसाल सामने है। उसकी एक ही विजय ने संसार की सभ्य जातियों में गण्य बना दिया। लेकिन गधे का एक छोटा भाई और भी है, जो उससे कम ही गधा है, और वह है 'बैल'। जिस अर्थ में हम गधे का प्रयोग करते हैं, कुछ उसी से मिलते- जुलते अर्थ में 'बछिया के ताऊ' का भी प्रयोग करते हैं। कुछ लोग बैल को शायद बेवकूफों में सर्वश्रेष्ठ कहेंगे मगर हमारा विचार ऐसा नहीं है बैल कभी-कभी मारता भी है कभी-कभी अड़ियल बैल भी देखने में आता है और भी कई तरीकों से अपना असंतोष प्रकट कर देता है। उसका स्थान गधे से नीचा है।

1. लेखक ने ऋषि-मुनियों के कौन-कौन से गुणों की चर्चा की है?
2. आज़ादी से पहले भारतीयों को अमेरिका में घुसने क्यों नहीं दिया जाता था?
3. कुछ लोग बैल को शायद बेवकूफों में सर्वश्रेष्ठ कहेंगे, क्यों?
4. एक दूध बेचने वाले के पास 6 गाएँ हैं और वह उनसे लगभग 130 लीटर दूध रोजाना प्राप्त करता है जिसमें से वह 1500 मिली लीटर दूध गली के आवारा कुत्तों को पिला देता है और 2500 मिली लीटर दूध घर में उपयोग कर बाकी बाजार में बेच देता है। यदि दूध का मूल्य 48 रूपए प्रति लीटर है तो वह दूध बेचकर एक महीने में कितना धन कमाता है?

5. पशुओं के बाड़े में 50 भैंसें, 30 बकरियाँ और 35 गाएँ है। चौकीदार ने रात को गिनती की तो सब ठीक था, सुबह पशुओं की गिनती करने पर ज्ञात हुआ कि उन में से 26 पशु कम है। बताएँ सुबह बाड़े में कितने पशु थे ?

6. मनुष्य के कौन-कौन से गुण उसे आदर्श मनुष्य बनाते है ?

क्रम संख्या	**दक्षता**	**प्रकार**	**संज्ञानात्मक स्तर**
1.	सूचना की पुनः प्राप्ति	वर्णात्मक	सरल
2.	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	औसत
3.	व्यापक समझ	तार्किक	औसत
4.	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5.	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	FullCredit	सुख दुःख, हानि-लाभ में संभाव रहना, अक्रोधी होना
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	FullCredit	अश्वेत होने के कारण
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	FullCredit	सहनशीलता के कारण (विद्यार्थियों का तर्क संगत उत्तर मान्य)
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	FullCredit	181440 रु
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	FullCredit	89
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 12

स्रोत : पाठ्य पुस्तक (क्षितिज भाग-1)	कक्षा - 9	भाग : दो
पाठ का प्रकार : गद्यांश	उप विषय : ल्हासा की ओर	
सीखने के प्रतिफल : **902.** अपने आस-पड़ोस के लोगों, स्कूली सहायकों या स्कूलीसाथियों की आवश्यकताओं को कह और लिख पाते हैं। **904.** अपनी पसंद की अथवा किसी सुनी हुई रचना को पुस्तकालयया अन्य स्थान से ढूँढ़कर पढ़ने की कोशिश करते हैं। **907.** दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझतेहुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं। **908.** अपने अनुभवों, भावों और दूसरों की राय, विचारों कोलिखने की कोशिश करते हैं। जैसे--- आँख बंद करके यहदुनिया, व्हीलचेयर से खेल मैदान आदि। **915.** अपने साथियों की भाषा, उनके विचार, व्यवहार, खान-पान, पहनावा संबंधी जिज्ञासा को कहकर और लिखकर व्यक्तकरते हैं।		

वह नेपाल से तिब्बत जाने का मुख्य रास्ता है। फरी-कलिंगं पोंग का रास्ता जब नहीं खुला था तो नेपाल ही नहीं हिंदुस्तान की भी चीजें इसी रास्ते तिब्बत जाया करती थीं। परित्यक्त चीनी किले से जब हम चलने लगे, तो एक आदमी राहदारी मांगने आया। हमने वह दोनों चिटें उसे दे दीं। दूसरे दिन हम घोड़ों पर सवार होकर लंकोर के ओर चले। डांडे से पहिले एक जगह चाय पी और दोपहर के वक्त के डांडे ऊपर जा पहुंचे। हम समुद्र तल से 17-18 हज़ार फुट ऊँचे खड़े थे। हमारी दक्खिन तरफ पूर्व से पश्चिम की ओर हिमालय के हज़ारों स्वेत शिखर चले गए थे। भीटे की ओर दिखने वाले पहाड़ बिल्कुल नंगे थे, न वहाँ बर्फ की सफ़ेदी थी, न किसी तरह की हरियाली। उत्तर की तरफ़ बहुत कम बर्फ़ वाली चोटियाँ दिखाई पड़ती थी। सर्वोच्च स्थान पर डांड़े के देवता का स्थान था, जो पत्थरों के ढेर, जानवरों की सीगों और रंग-बिरंगे कपड़ों की

झंडियों से सजाया गया था। अब हमें बराबर उतराई पर चलना था। चढ़ाई तो कुछ दूर थोड़ी मुश्किल थी, लेकिन उतराई बिल्कुल नहीं। शायद दो-एक और सवार साथी हमारे साथ चल रहे थे। मेरा घोड़ा कुछ धीमे चलने लगा ।मैंने समझा कि चढ़ाई की थकावट के कारण ऐसा कर रहा है, और उसे मारना नहीं चाहता था। धीरे-धीरे वह बहुत पिछड़ गया और मैं दोन्क्विक्स्तो की तरह अपने घोड़े पर झूमता हुआ जा रहा था। जब मैं ज़ोर देने लगता तो वह और सुस्त पड़ जाता । एक जगह दो रास्ते फूट रहे थे, मैं बाएं तरफ के रास्ता में मील-डेढ़ मील चला गया। आगे एक घर में पूछने से पता लगा कि लंकोर का रास्ता दाहिने वाला था। फिर लौटकर उसी को पकड़ा। 4-5 बजे के करीब मैं गाँव से मील भर पर था तो सुमति इंतजार करते हुए मिले। उन्होनें कहा-" मैंने दो टोकरी कंडे फूँक डाले, तीन-चार बार चाय को गर्म किया"। मैंने नरमी से जवाब दिया," मेरा कोई कसूर नहीं! देख नहीं रहे हो, कैसा घोड़ा मुझे मिला है! मैं तो रात तक पहुँचने की उम्मीद रखता था।" नगर में हम एक जगह ठहरे और पहले चाय-सत्तू खाया, रात को गरमा-गरम थुक्पा मिला।

1. आदमी द्वारा राहदारी माँगने पर लेखक ने क्या किया? राहदारी का क्या अर्थ है?
2. सुमति के क्रोध का क्या कारण था?
3. पहाड़ों पर उतराई आसान और चढ़ाई कठिन क्यों होती है?
4. पहाड़ों की ऊंचाई समुद्र तल से ही क्यों नापी जाती है?
5. मैं उत्तर से पश्चिम की ओर एक किलोमीटर चला फिर पश्चिम से उत्तर की ओर चार किलोमीटर का रास्ता तय करने के बाद पता चला कि रास्ता गलत है। मैं वापिस मुड़ा, अब बताओ कि मैं किस दिशा की ओर चल रहा हूँ ?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1.	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	कठिन
2.	सूचना की पुनः प्राप्ति	वर्णात्मक	सरल
3.	व्यापक समझ	तार्किक	औसत
4.	विवेचनात्मक	वर्णात्मक	औसत
5.	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	FullCredit	दोनों चिटें उसे दे दीं, मार्ग पर चलने का टैक्स
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	FullCredit	लेखक के सुमति से बिछड़ कर गंतव्य पर देर से पहुँच ने के कारण
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	FullCredit	पहाड़ों पर वायु दाब कम होता है चदते समय मस्पेशियों के अधिक सक्रीय होने से ऑक्सीजन का स्तर घट जाता है जिससे चढ़ने में कठिनाई होती है, उतरते समय मस्पेशियों द्वारा कम बल लगे जाने से ऑक्सीजन का स्तर बना रहता है
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	FullCredit	समुद्री जल की उपरी सतह की औसत ऊंचाई के मन को ध्यान में रख कर
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	FullCredit	पश्चिम
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्त

प्रतिमान 13

स्त्रोत : क्षितिज भाग - 1	कक्षा - 9	भाग - 2
पाठ का प्रकार : गद्यांश	उप विषय : एक कुत्ता और एक मैना	

सीखने के प्रतिफल :

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओंपर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

908. अपने अनुभवों, भावों और दूसरों की राय, विचारों कोलिखने की कोशिश करते हैं। जैसे--- आँख बंद करके यहदुनिया, व्हीलचेयर से खेल मैदान आदि।

910. सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादिकर पाते हैं।

911. पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त, जैसे--कविता, कहानी, एकांकी, गद्य-पद्य की अन्य विधाओं कोपढ़ते-लिखते हैं और कविता की ध्वनि और लय पर ध्यानदेते हैं।

915. अपने साथियों की भाषा, उनके विचार, व्यवहार, खान-पान, पहनावा संबंधी जिज्ञासा को कहकर और लिखकर व्यक्तकरते हैं।

917. जाति, धर्म, रीति-रिवाज़, जेंडर आदि मुद्दों पर प्रश्न करते हैं।

एक बार मैं सवेरे गुरुदेव के पास उपस्थित था। उस समय एक लंगड़ी मैना फुदक रही थी। गुरुदेव ने कहा," देखते हो, यह यूथभ्रष्ट है। रोज़ फुदकती है, ठीक यहीं आकर। मुझे इसकी चाल में एक करुण-भाव दिखाई देता है। "इस प्रकार की मैना कभी करुण हो सकती है, यह मेरा विश्वास ही नहीं था। गुरुदेव की बात पर मैंने ध्यान से देखा तो मालूम हुआ कि सचमुच ही उसके मुख पर एक करुण भाव है। शायद यह विधुर पति था, जो पिछली स्वयंवर-सभा के युद्ध में आहत और परास्त हो गया था या विधवा पत्नी है।

उस मैना को क्या हो गया है, यही सोचता हूँ। क्यों वह दल से अलग होकर अकेली रहती है? पहले दिन देखा था सेमर के पेड़ के नीचे मेरे बगीचे में। जान पड़ा जैसे एक पैर से लंगड़ा रही हो। इसके बाद उसे रोज़ सवेरे देखता हूँ- संगीहीन होकर कीड़ों का शिकार करती फिरती है।

चढ़ जाती है बरामदे में। नाच-नाचकर चहल-कदमी किया करती है, मुझसे ज़रा भी नहीं डरती। क्यों है ऐसी दशा इसकी? समाज के किस दंड पर उसे निर्वासन मिला है, दल के किस अविचार पर उसने मान किया है। कुछ ही दूरी पर और मैनाएं बक-झक कर रही हैं, घास पर उछल-कूद रही है, उड़ती फिरती है, शिरीष वृक्ष की शाखाओं पर। इस बेचारी को ऐसा कुछ भी शौक नहीं है। इसके जीवन में कहाँ ठ गाँठ पड़ी है, यही सोच रहा हूँ। सवेरे की धूप में मानो सहज मन से आहार चुगती हुई, झड़े हुए पत्तों पर कूदती फिरती है सारा दिन। किसी के ऊपर इसका कुछ अभियोग है, यह बात बिल्कुल नहीं जान पड़ती। इस की चाल में वैराग्य का गर्व भी तो नहीं है, दो आग-सी जलती आँखें भी तो नहीं दिखती।" इत्यादि। जब मैं इस कविता को पढ़ता हूँ तो उस मैना की करुण मूर्ति अत्यंत साफ़ होकर सामने आ जाती है। कैसे मैंने उसे देख कर भी नहीं देखा और किस प्रकार कवि की आँखें उस बेचारी के मर्मस्थल तक पहुंच गई, सोचता हूँ तो हैरान हो रहता हूँ।

1. मैना अकेली रह कर अपना समय कैसे बिताती थी?
2. गुरुदेव ने मैना को यूथभ्रष्ट क्यों कहा है?
3. मैना लंगड़ी थी। उसका करुण भाव गुरुदेव देख पा रहे थे पर लेखक नहीं। इसी तरह दिव्यांग अपने आप को समाज से कटा महसूस करते हैं। ऐसे लोगों को समाज का हिस्सा किस प्रकार बनाया जा सकता है, ताकि वे अपने आप को अकेला महसूस न करें?
4. प्राचीन काल की स्वयंवर प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य जीतना ही होता था और हारने वाला अपने आप को आहत और परास्त महसूस करता था। किसी भी खेल या प्रतियोगिता को सिर्फ जीतने के भाव से ही खेला जाता या उसमें कुछ जीवन मूल्य भी छिपे होते हैं लिखें?

5. एक बगीचे में 5 मैना, दो कुत्ते, दो खरगोश और 24 लोग घूम रहे हैं। लंगड़ी मैना ज़मीन पर ही है। अब बताओ जमीन पर कुल कितने पैर टिके हैं ?

क्रम संख्या	**दक्षता**	**प्रकार**	**संज्ञानात्मक स्तर**
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	वर्णात्मक	सरल
2	सृजन	व्याख्यात्मक	कठिन
3	व्यापक समझ	रचनात्मक	कठिन
4	व्यापक समझ	रचनात्मक	कठिन
5	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	FullCredit	बगीचे में अकेले कीड़ों का शिकार करके व चहल कदमी करके
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	FullCredit	वह दिशाहीन,अकेले, करुणा में डूबी जीवन व्यतीत करती थी।उसका कोई लक्ष्य न था।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	FullCredit	उनको सामान्य मनुष्य की तरह पूर्ण अधिकार देकर ,तथा सामाजिक गतिविधियों में शामिल करके।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	FullCredit	खेल केवल जीतने के लिए नहीं अपितु सहयोग,नेतृत्व, अनुशासन, समभाव आदि जीवन मूल्य भी सिखाते हैं
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	FullCredit	41 पैर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 14

स्त्रोत : पत्रिका	कक्षा - 9	भाग - 2
पाठ का प्रकार : गद्यांश	उप विषय : देश भक्त - बिस्मिल	

सीखने के प्रतिफल :

901. सामाजिक मुद्दों (जेंडरभेद, जातिभेद, विभिन्न प्रकार के भेद) पर कार्यक्रम सुनकर/देखकर अपनी राय व्यक्त करते हैं। जैसे-जब सब पढ़ें तो पड़ोस की मुसकान क्यों न पढ़े? या मुसकान अब पार्क में क्यों नहीं आती?

905. समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होनेवाले विभिन्न कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधी समीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं।

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

908. अपने अनुभवों, भावों और दूसरों की राय, विचारों को लिखने की कोशिश करते हैं। जैसे--- आँख बंद करके यह दुनिया, व्हीलचेयर से खेल मैदान आदि।

910. सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं।

राम प्रसाद बिस्मिल के क्रांतिकारी संघर्ष से परेशान होकर ब्रिटिश शासन ने उन्हें फाँसी की सज़ा दी। काकोरी कांड के महानायक राम प्रसाद बिस्मिल जी को गोरखपुर की जेल कोठरी में फाँसी की सज़ा दी गई। तो आइए जेल में फाँसी से एक दिन पहले जब उनकी माँ उनसे मिलने आयी।

बिस्मिल :-माँ ,तुम !

माँ :- मैं ही तो हूँ ,क्या तू अपनी माँ को पहचान भी नहीं सकता?

बिस्मिल :-ऐसे मत बोलो माँ, मुझे ग़लत मत समझो। मेरा मतलब यह नहीं था।

माँ :-बस रहने दे अपनी सफ़ाई को, मैं सब जानती हूँ, तू अपनी माँ को भले ही भूल जा पर मैं अपने बेटे राम प्रसाद को कैसे भूल सकती हूँ? मौत की गोद में तुझे देखकर मेरी आँखों से परनाले बहने लगेंगे।

बिस्मिल:- हाँ -हाँ, मेरा मतलब यही था।

माँ :- पगले ,तू अपनी माँ को इतना भी नहीं पहचान सका। जिस भारत माँ के लिए तू कुर्बान हो रहा है। वह अकेले तेरी ही तो माँ नहीं, वह तो मेरी भी माँ है, तेरे सभी बुज़ुर्गों की माँ है, इस सारे देश की माँ है।

बिस्मिल:- माँ, मैंने समझा था कि तुम्हें मेरे विचारों के लिए अफ़सोस है।

माँ :- नहीं, मेरे लाल आज के दिन तू किसी का अफ़सोस न कर। तुम तो कुर्बान की राह पर जा रहे हो। मेरे बच्चे, अफ़सोस तो मुझे हैं कि मेरा दूसरा बेटा भी इतना छोटा क्यों है?

बिस्मिल:- माँ, विश्वास रखो, तुम्हारे इस बेटे के बलिदान से अनेक राम प्रसाद पैदा होंगे।

जेलर:- क्षमा कीजिए ,समय काफ़ी हो चुका है।

माँ :- चलती हूँ मेरे लाल।

बिस्मिल :- माँ, ये साड़ी के पल्लू में क्या बाँधा हुआ है?

माँ :-ये बेसन के लड्डू तेरे लिए बनाकर लाई हूँ।

बिस्मिल:- लाओ माँ ,अपने हाथ से खिला दो।

माँ :- अच्छा ,मेरे लाल मैं चलती हूँ। (आँसू पोंछते हुए बाहर निकलती है।)

बिसमिल:- मैं नहीं कह रहा माँ ,तुम्हारी आँखों से बहने वाले आँसू कह रहे हैं कि तुम्हें कोई दुख है ।

माँ:- अरे पगले ,ये आँसू तो ख़ुशी के हैं।

बिस्मिल :- ख़ुशी के आँसू!

माँ :-हाँ बेटा, पाल-पोसकर अपनी संतान को अपने ही हाथों से देश के लिए कुर्बान कर देने में भी एक अजीब-सी ख़ुशी है और आज उसे ख़ुशी को प्राप्त करने का गौरव मुझे हो रहा है।

माँ ने जेलर साहब से पूछा, “क्या कल अपने बेटे की फाँसी के समय में यहाँ आ सकती हूँ?”

जेलर:- जी नहीं, हुक्म न होने के कारण मैं मजबूर हूँ।

बिस्मिल :-ज़रूरत भी क्या है माँ? तुम अपने बेटे को भारत माँ की गोद में डाल दो। अब उसकी सेवा के लिए यहाँ आत्मा किसी भी रूप में रहे, क्या फ़र्क पड़ता है?

माँ:- तू ठीक कहता है मेरे लाल, अच्छा! मेरे बच्चे अपनी भारत माँ की अच्छी तरह सेवा करना। कोई चूक न होने पाए। (बिस्मिल के सिर पर हाथ फेरती है और बिस्मिल माँ के पैर छूते हैं।) चलिए, जेलर साहब ।

अगली सुबह बिस्मिल को नहलाया जाता है। फाँसी के फंदे पर लटका दिया जाता है। माँ जेल के बाहर खड़ी फफककर रो रही होती है। एक बेटा अपने देश के लिए यह गाता हुआ फाँसी के फंदे पर झूल जाता है “सरफ़रोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है ज़ोर कितना बाज़ू-ए-क़ातिल में है।”

1. बिस्मिल किस कांड के महानायक थे?

2. गोरखपुर जिला किस राज्य में पड़ता है, जहाँ राम प्रसाद बिस्मिल को फाँसी की सज़ा दी गई?

3. सरसों से तेल निकालने में कैदियों को ज़ोर लगाना पड़ता है। यदि एक क़ैदी को इस प्रक्रिया में पाँच लीटर तेल निकालने में आठ घंटे लगते हैं, तो एक दिन में 20 लीटर तेल निकालने में कितने कैदियों की ज़रूरत पड़ेगी तथा उन्हें कुल इतने घंटे लगेंगे?

4. यदि एक रस्सी की लंबाई को नापना है तो कैसे नापेंगे?

   क) किलोग्राम-ग्राम　　ख) मीटर-सेंटीमीटर

   ग) लीटर-मिली लीटर　　घ) क) और ग) दोनों

5. निम्नलिखित में से जेल की कोठरी का आकार क्या होता होगा ?

क) 10 फुट लंबी 8 फुट चौड़ी

ख) 10 किलोमीटर लंबी 8 किलोमीटर चौड़ी

ग) 10 सेंटीमीटर लंबी 8 सेंटीमीटर चौड़ी

क्रम संख्या	**दक्षता**	**प्रकार**	**संज्ञानात्मक स्तर**
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	वर्णनात्मक	सरल
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	वर्णनात्मक	सरल
3	विश्लेषण	तार्किक	औसत
4	व्यापक समझ	बहुविकल्पी	औसत
5	व्यापक समझ	बहुविकल्पी	औसत

उत्तरमाला :

1.	FullCredit	काकोरी
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	FullCredit	उत्तर प्रदेश
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	FullCredit	4 कैदी ,8 घंटे
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	FullCredit	ख) मीटर-सेंटीमीटर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	FullCredit	क)10 फुट लंबी,8 फुट चौड़ी
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 15

स्रोत : स्वरचित	**कक्षा - 9**	**भाग - 2**
पाठ का प्रकार : अनुच्छेद	**उप विषय : कर्त्तव्यपरायणता**	

सीखने के प्रतिफल :

904. अपनी पसंद की अथवा किसी सुनी हुई रचना को पुस्तकालयया अन्य स्थान से ढूँढ़कर पढ़ने की कोशिश करते हैं।

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओंपर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

909. किसी सुनी, बोली गई कहानी, कविता अथवा अन्य रचनाओंको रोचक ढंग से आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं।

913. भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे--- विशिष्टशब्द-भंडार, वाक्य-संरचना, शैली-संरचना, मौलिकता आदि।

917. जाति, धर्म, रीति-रिवाज़, जेंडर आदि मुद्दों पर प्रश्न करते हैं।

सर्वोच्च श्रेणी के साहस के लिए हाथ-पैर की बलिष्ठता आवश्यक नहीं; धन, मान आदि का होना भी आवश्यक नहीं। जिन गुणों का होना आवश्यक है; वे हैं- हृदय की पवित्रता तथा उदारता और चरित्र की दृढ़ता। ऐसे गुणों की प्रेरणा से उत्पन्न हुआ साहस तब तक पूर्णतया प्रशंसनीय नहीं कहा जा सकता, जब तक उसमें एक और गुण सम्मिलित न हो। इस गुण का नाम है 'कर्तव्यपरायणता'। कर्तव्य का विचार प्रत्येक साहसी मनुष्य में होना चाहिए। इस विचार से शून्य होने पर भी कोई भी मनुष्य, फिर चाहे उसके और विचार कैसे ही उन्नत क्यों न हो, मानव जाति की कुछ भी भलाई नहीं कर सकता। अपने कर्तव्य से अनभिज्ञ मनुष्य कभी भी परोपकार परायण या समाज-हित-चिंतक नहीं कहा जा सकता। बिना इस विचार के मनुष्य अपने परिवार ही नहीं अपने शरीर अथवा अपनी आत्मा का भी उपकार नहीं कर सकता। कर्तव्य-ज्ञान-शून्य मनुष्य को मनुष्य नहीं, पशु समझना चाहिए।

उच्चकोटि के साहस के लिए कर्तव्यपरायण बनना परमावश्यक है। कर्तव्यपरायण व्यक्ति के हृदय में यह बात अवश्य होनी चाहिए कि जो कुछ मैंने किया, वह केवल अपना कर्तव्य किया। मारवाड़ के मौरुदा गाँव का जमींदार बुद्धन सिंह किसी झगड़े के कारण स्वदेश छोड़कर जयपुर चला गया और वहीं बस गया। थोड़े ही दिनों बाद मराठों ने मारवाड़ पर आक्रमण किया। यद्यपि बुद्धन मारवाड़ को बिल्कुल ही छोड़ चुका था तथापि शत्रुओं के आक्रमण का समाचार पाकर और मातृभूमि को संकट में पड़ा हुआ जानकर उसका रक्त उबल पड़ा। स्वदेश-भक्ति ने उसे बतला दिया, 'यह समय ऐसा नहीं है कि तू अपने घरेलू झगड़ों को याद करे। उठ, और अपना कर्तव्य पालन कर'।

1. "सर्वोच्च श्रेणी के साहस के लिए केवल हाथ पैर की बलिष्ठता ही आवश्यक नहीं""आशय स्पष्ट करें?
2. बुद्धन सिंह अपना गांव छोड़ने के बाद भी देश भक्ति के लिए तैयार क्यों हो गए?
3. समाज हित चिंतक किस मनुष्य को कहा गया है?
4. मारवाड़ से जयपुर की दूरी 302 किलोमीटर है। यदि बस की रफ्तार 40 किलोमीटर प्रति घंटा है तो बस को जयपुर पहुँचने में कितना समय लगेगा?
5. झगड़ा करने से क्या सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है? स्पष्ट करें।

क्रम संख्या	**दक्षता**	**प्रकार**	**संज्ञानात्मक स्तर**
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	व्याख्यात्मक	सरल
2	व्यापक समझ	वर्णात्मक	सरल
3	सृजनात्मक	तार्किक	कठिन
4	विश्लेषण	तुलनात्मक	औसत
5	सृजन	वर्णनात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1.	FullCredit	केवल शारीरिक बलिष्ठता से व्यक्ति सर्वोच्च नहीं अपितु हृदय से पवित्र, उदार और कर्तव्य परायणता का साहस रखने वाला सर्वोच्च है।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	FullCredit	स्वदेश प्रेम और देश के प्रति कर्तव्य परायणता के कारण
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	FullCredit	जो स्वार्थ का त्याग कर सामाजिक परोपकार में लगा रहता है।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	FullCredit	7 घंटे 55 मिनट
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	FullCredit	नहीं, शांत दिमाग और खुले दिल से विचार करने से ही झगड़े का निपटारा संभव। (विद्यार्थी द्वारा दिया गया तर्कसंगत उत्तर मान्य)
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 16

स्रोत : पाठ्य पुस्तक (स्पर्श भाग-1)	कक्षा - 9	भाग - 2
पाठ का प्रकार : गद्यांश	उप विषय : शुक्र तारे के समान	

सीखने के प्रतिफल :

903. पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने/समझने को उत्सुक हैं और उन्हें पढ़ते हैं।

904. अपनी पसंद की अथवा किसी सुनी हुई रचना को पुस्तकालयया अन्य स्थान से ढूँढ़कर पढ़ने की कोशिश करते हैं।

909. किसी सुनी, बोली गई कहानी, कविता अथवा अन्य रचनाओंको रोचक ढंग से आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं।

915. अपने साथियों की भाषा, उनके विचार, व्यवहार, खान-पान, पहनावा संबंधी जिज्ञासा को कहकर और लिखकर व्यक्तकरते हैं।

918. अपने परिवेश की समस्याओं पर प्रश्न तथा साथियों से बातचीत/चर्चा करते हैं।

शुक्र तारा अपनी चमक के लिए जाना जाता है। गांधी जी के सचिव भाई महादेव जी भी शुक्र तारे के समान थे। वे भी थोड़े समय के लिए अपनी आभा बिखेर कर अस्त हो गए। महादेव जी हँसी-मजाक करते समय अपना परिचय पीर-बावर्ची-भिश्ती-खर आदि के रूप में देते थे। गांधी जी उनको अपने पुत्र से भी अधिक स्नेह करते थे। वे गांधी जी के पास 1917 में पहुँचे थे। गांधी जी ने उनकी प्रतिभा को पहचान कर उनको अपना वारिस घोषित कर दिया था। 1919 में जलियांवाला बाग कांड के बाद गांधी जी को पलवल में गिरफ्तार कर लिया था। इसी बीच पंजाब में फौजी शासन के दौरान लोगों पर कहर बरपाया जाने लगा। पंजाब के अधिकतर नेताओं को गिरफ्तार करके उम्रकैद या काले पानी की सजा दी गई। गांधी जी के सामने ज़ुल्म और अत्याचारों की कहानियाँ पेश करने के लिए आने वाले पीड़ितों के दल के दल उमड़ते रहते थे। महादेव जी उनकी बातों की संक्षिप्त टिप्पणयाँ तैयार करके उनको गाँधीजी के सामने प्रस्तुत

करते थे। गांधी जी मुंबई के मुख्य राष्ट्रीय दैनिक 'बॉम्बे क्रॉनिकल' में इन सब विषयों पर लेख लिखा करते थे। क्रॉनिकल के अंग्रेज संपादक को सरकार ने 'देश निकाले' की सज़ा देकर इंग्लैंड भेज दिया। उन्हीं दिनों मुंबई के तीन नेता शंकरलाल, उमर सोबती और जमुनादास द्वारकादास 'यंग इंडिया' अखबार निकालते थे। यह तीनों इस अखबार में लिखने के लिए गाँधीजी के पास आए और 'यंग इंडिया' का संपादक बनने को कहा। गांधी जी तो चाहते ही थे इसलिए उन्होंने तुरंत स्वीकार कर लिया। इस पत्र के कारण गांधी जी का काम बहुत बढ़ गया। इस अखबार को भी सप्ताह में दो दिन प्रकाशित करना पड़ता था। हर रोज पत्र-व्यवहार और मुलाकातें, लेख, टिप्पणियाँ, पंजाब के मामलों का सार संक्षेप, यह सारी सामग्री तीन दिन में तैयार करनी पड़ती थी। उसके बाद नवजीवन अखबार भी निकालना शुरू कर दिया। गांधी जी और महादेव जी का अधिकतर समय देश भ्रमण में बीतने लगा। महादेव जी देश-विदेश के समाचार पत्रों पर भी निगाह रखते थे। वे उन पर निरंतर टीका टिप्पणी करते रहते थे। गांधीजी के पास विद्यार्थी अवस्था में आने वाले महादेव ने सरकार की अनुवाद विभाग में नौकरी की थी। महादेव जी की लिखावट में भाषा की जो शुद्धता थी वह अपने में बेजोड़ थी। उनका लेखन पढ़ने वालों को मंत्रमुग्ध कर देता था। वे शॉर्टहैंड नहीं जानते थे, फिर भी गांधीजी कोई व्याख्यान देते तो वे द्रुतगति से सब कुछ लिख लेते थे। उनके लेखन में कहीं अर्धविराम या कॉमा तक की भी गलती न मिलती थी। जब अन्य पत्रकार गांधीजी को मैटर टाइप करके ठीक कराने आते तो गांधीजी उनको कहते थे कि एक बार महादेव के लिखे नोट के साथ मिलान कर लेना था। महादेव जी साहित्यिक पुस्तकों की तरह राजनीतिक पुस्तकों को भी पढ़ते थे। वे अपने पास ताजा से ताजा जानकारी रखते थे। उनके झोले में किताबें और पत्रिकाएँ ही भरी रहती थीं। वे सारा दिन गांधी जी के साथ इतना व्यस्त रहते थे, पता नहीं वे अपने लिए कब समय निकालते होंगे। महादेव

का समूचा जीवन और उनके सारे कामकाज गांधी जी के साथ एक रूप होकर इस प्रकार गुँथ गए थे कि कोई गांधी जी से अलग करके उनकी कल्पना ही नहीं कर सकता था। इतनी व्यस्तता के बाद भी उन्होंने गांधीजी की आत्मकथा 'सत्य के प्रयोग' का अंग्रेजी अनुवाद किया।

प्रश्न :

1. महादेव भाई को शुक्रतारे के समान क्यों कहा गया है?
2. जलियाँवाला बाग काँड के विषय में आप क्या जानते हैं?
3. दैनिक, साप्ताहिक और मासिक पत्र एक महीने में कितनी बार छपते हैं? क्रमशः लिखिए।
4. पत्रकार, संपादक और अनुवादक के कार्य क्रमशः बताइए।
5. जलियाँवाला बाग कांड के बाद यदि अंग्रेजी शासन प्रति वर्ष 175 भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों को काले पानी की सज़ा देता थातो आज़ादी हासिल करने तक कुल कितने भारतीयों को काले पानी की सज़ा मिल चुकी थी?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	वर्णात्मक	सरल
2	सृजन	रचनात्मक	कठिन
3	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	सरल
4	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	कठिन
5	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1.	FullCredit	भाई महादेव का शुक्र तारे के समान आभा बिखेर कर अस्त होने के कारण।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	FullCredit	वैशाखी पर अमृतसर के जलियांवाला बाग में इकट्ठे हुए निहत्थे लोगों पर जनरल डायर द्वारा गोली चलाई गई।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	FullCredit	दैनिक -30 बार, साप्ताहिक- 4 बार ,मासिक- एक बार
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	FullCredit	पत्रकार - समाचार एकत्रित करना । संपादक - त्रुटि दूर करके छापने योग्य बनाना अनुवादक - दूसरी भाषा में अनुवाद करना।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	FullCredit	5075
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 17

स्रोत : इन्टरनेट से साभार	**कक्षा - 9**	**भाग - 2**
पाठ का प्रकार : अनुच्छेद	**उप विषय : डी जी लॉकर**	

सीखने के प्रतिफल :

903. पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने/समझने को उत्सुक हैं और उन्हें पढ़ते हैं।

905. समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होनेवाले विभिन्न कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधीसमीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं।

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओंपर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

907. दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझतेहुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं।

जुलाई 2019 में मोटर व्हीकल एक्ट में संशोधन के बाद यातायात नियम काफी सख्त हो गए हैं। यातायात पुलिस हर रोज सैकड़ों चालान काट रही है। हमारा दायित्व बनता है कि हम यातायात के नियमों का पालन करें। अक्सर हम किसी न किसी वजह से गाड़ी के कागजात भूल जाते हैं या कई बार हर कागजात को साथ रखना मुश्किल होता है। ऐसे में दो ऐप आपकी परेशानी को दूर करेंगे।डीजीलॉकर और एम परिवहन सरकार की ओर से अधिकृत एप है। इनमें आपके द्वारा दिखाए गए दस्तावेजों को वैध माना जाता है। इससे आपको कागजात हर समय अपने साथ रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

डिजी लॉकर एप :

ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, रजिस्ट्रेशन जैसे दस्तावेज आप डिजिटल रूप में डीजी लॉकर नामक क्लाउड आधारित ऐप में सुरक्षित रख सकते हैं। यह व्यक्ति की

आधार संख्या से जुड़ा होता है। आप अपना ड्राइविंग लाइसेंस या व्हीकल रजिस्ट्रेशन स्टोर करने के लिए ऐप को गूगल प्ले स्टोर या आईओएस एप स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं।

एमपरिवहन एप :

यह ऑल इंडिया आर.टी.ओ. व्हीकल रजिस्ट्रेशन नंबर को खोजने का सरकारी ऐप है। इसमें किसी भी व्हीकल रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट और ड्राइविंग लाइसेंस को खोजा जा सकता है। आप गूगल प्ले स्टोर या आईओएस एप स्टोर से इसे इंस्टॉल कर सकते हैं। इस ऐप पर आप अपना ई-चालान कितनी बार किया गया यह देख सकते हैं। चालान किसके द्वारा जारी किया गया है, यह भी पता लग सकता है।

1. किस ऐप में कागजात रखे जा सकते है और इसके क्या फायदे हैं?
2. इस ऐप को कहाँ से डाउनलोड किया जा सकता है?
3. हेल्मेट न लगाने पर एक हजार रुपया जुर्माना, लाइसेंस न होने पर एक हजार रुपए चालान नियत हैं। एक सिपाही एक नाके पर 90 लोगों को जाँच हेतु रोकता है और कुल 60 लोगों का चालान करता है। चालान किए गए उन लोगों में 40% का दोनों का चालान करता है यानी हेल्मेट न लगाने का और लाइसेंस न होने का जबकि 30% लोगों का एक ही चालान यानी हेल्मेट न लगाने का करता है न लगाने का चालान करता है।
   क) बताएँ कुल कितने लोगों का चालान काटा गया ?
   ख) परिवहन विभाग को चालान राशि के रूप में कितने रुपये प्राप्त होंगे?
4. यातायात के नियमों का पालन करना क्यों आवश्यक है?

5. राष्ट्रीय स्तर पर यातायात के नियमों में इतनी सख्ती की आवश्यकता क्यों पड़ी? क्या यह सख्ती उचित है?

क्रम संख्या	**दक्षता**	**प्रकार**	**संज्ञानात्मक स्तर**
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	वर्णात्मक	सरल
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	वर्णात्मक	सरल
3	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
4	व्यापक समझ	तार्किक	औसत
5	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	डिजिलॉकर एप
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	FullCredit	गूगल प्ले स्टोरयाआईओएस एप स्टोर।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	FullCredit	(क) 60 (ख) 66 हजार
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	FullCredit	परिवहन के सुचारू रूप से चलने और दुर्घटना से बचने के लिए।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	FullCredit	अत्यधिक दुर्घटनाओं के कारण, हाँ।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 18

स्रोत : इन्टरनेट से साभार	कक्षा - 9	भाग - 2
पाठ का प्रकार : अनुच्छेद	उप विषय : अगरबत्ती	

सीखने के प्रतिफल :

905.समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होनेवाले विभिन्न कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधीसमीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं।

910.सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादिकर पाते हैं।

914.अपने आस-पास के रोज़ाना बदलते पर्यावरण पर ध्यान देतेहैं तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सचेत होते हैं। जैसे–कलतक यहाँ पेड़ था, अब यहाँ इमारत बनने लगी?

919.सभी विद्यार्थी अपनी भाषाओं की संरचना से हिंदी कीसमानता और अंतर को समझते हैं।

क्या आप जानते हैं कि सिगरेट से भी अधिक खतरनाक होता है रसायनिक धूप और अगरबत्ती का धुआँ। केवल भारत में ही नहीं बल्कि संसार भर में आज रसायनिक धूप-अगरबत्तियाँ जलाई जा रही हैं। इन सुगंधित धूप-अगरबत्तियों से निकलने वाला धुआँ शरीर की कोशिकाओं के लिए सिगरेट के धुएँ से भी अधिक ज़हरीला साबित हो रहा है। शोधकर्ताओं ने सिगरेट के धुएँ की तुलना अगरबत्ती के धुएँ से की और पाया कि रसायनिक अगरबत्ती का धुआँ कोशिकाओं में जेनेटिक म्यूटेशन करता है। इससे कोशिकाओं में डीएनए बदलाव होता है जिससे कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। ब्रिटेन की एक एजेंसी द्वारा किया गया सर्वेक्षण यह भी बताता है कि अगरबत्ती में जो बाँस की तीली होती है वह जलने के बाद वायुमंडल में बहुत मात्रा में कार्बन-डाइऑक्साइड छोड़ती है। धूपबत्ती में तीली न होने के कारण यह अगरबत्ती की तुलना में कम हानिकारक है। सर्वेक्षण करने वाली एजेंसी 'ब्रिटिश फाउंडेशन' के सलाहकार निक रॉबिंसन ने चूहों पर इस प्रकार के धुएँ के अध्ययन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि बाँस से बनी अगरबत्ती जलने के बाद हवा में कार्बन के कण छोड़ती है जो साँस के साथ प्रवेश करके फेफड़ों में अटक जाते हैं। धूप और अगरबत्ती को फेफड़ों के कैंसर, ब्रेन ट्यूमर और बच्चों में ल्यूकेमिया के विकास

के साथ जोड़ा जा रहा है। इसके पीछे का एक कारण यह भी है कि धूप और अगरबत्ती को कृत्रिम सुगंध से भरपूर बनाने के लिए रसायनों का धड़ल्ले से प्रयोग होता है। इस समस्या का एकमात्र हल यही है कि धूपबत्ती बनाने के लिए फिर से वैदिक विधि का प्रयोग किया जाना चाहिए, जो प्राचीन समय में धूप बनाने के लिए प्रयोग होता था। उसके पीछे यह कारण था कि गाय का शुद्ध घी जलने के बाद वायुमंडल में अनेक गैसों से ऑक्सीजन परावर्तित करता है। कांचीपुरम स्थित महर्षि वाग्भट गौशाला एवं पंचगव्य अनुसंधान केंद्र द्वारा किए जा रहे प्रयोगों से पता चला है कि 10 मिलीलीटर घी को यदि वायुमंडल में जलाया जाता है तो 1600 किलोग्राम वायु का ऑक्सीजन में रूपांतरण हो जाता है। लेकिन आजकल गायों की संख्या कम होने के कारण शुद्ध घी मिलना कठिन एवं महंगा हो गया है। ऐसे में सस्ते पेट्रोलियम एवं रसायनों के प्रयोग किए जाने के कारण धूप-अगरबत्ती के बुरे प्रभाव सामने आ रहे हैं।

1. धूपबत्ती अगरबत्ती की तुलना में कम हानिकारक क्यों है?
2. अगरबत्तियों में इस्तेमाल होने वाले बाँस की तीलियों के जलने से ज़हरीला धुआँ फैलता है, इसके जलने से पहले भी पर्यावरण को एक ओर नुकसान भी होता है, वह क्या है?
3. शुद्ध घी का दीपक जलाने का पर्यावरण पर _____प्रभाव पड़ता है। (सकारात्मक/ नकारात्मक)
4. समय-समय पर हो रहे अनुसंधान हमें वेदों की ओर लौटने का संदेश दे रहे हैं। आप अपने विचार लिखें।
5. एक स्वस्थ व विकसित पेड़ हर दिन लगभग 230 लीटर ऑक्सीजन छोड़ता है। किसी हरे-भरे क्षेत्र में कुल 125 पेड़ एक साल में कुल कितनी ऑक्सीजन छोड़ते होंगे?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	वर्णनात्मक	सरल
2	व्यापक समझ कठिन	तार्किक	कठिन
3	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
4	व्यापक समझ	तार्किक	औसत
5	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	FullCredit	अगरबत्ती में बांस की तीली होने से वायुमंडल में कार्बन का स्तर बढ़ना जबकि धूपबत्ती में बांस की तीली का न होना
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	FullCredit	सिगरेट का धुआं
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	FullCredit	सकारात्मक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	FullCredit	वेदों के अनुसार निर्मित वस्तुओ में कृत्रिम रसायन का उपयोग न होना, पर्यावरण के लिए उपयोगी
	No Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
5.	FullCredit	345000 मिलीयन ऑक्सीजन
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 19

स्रोत : पत्रिका	**कक्षा - 9**	**भाग - 2**
पाठ का प्रकार : अनुच्छेद	**उप विषय : किसान अन्नदाता**	

सीखने के प्रतिफल :

901. सामाजिक मुद्दों (जेंडरभेद, जातिभेद, विभिन्न प्रकार के भेद) पर कार्यक्रम सुनकर/देखकर अपनी राय व्यक्त करते हैं।जैसे-जब सब पढ़ें तो पड़ोस की मुसकान क्यों न पढ़े? यामुसकान अब पार्क में क्यों नहीं आती?

905. समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होनेवाले विभिन्न कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधीसमीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं।

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओंपर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

911. पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त, जैसे--कविता, कहानी, एकांकी, गद्य-पद्य की अन्य विधाओं कोपढ़ते-लिखते हैं और कविता की ध्वनि और लय पर ध्यानदेते हैं।

919. सभी विद्यार्थी अपनी भाषाओं की संरचना से हिंदी कीसमानता और अंतर को समझते हैं।

1. ऊपरदिए चित्र में किन-किन फसलों का उल्लेख किया गया है?

2. सन2009-10 से सन 2011-12 तक गेहूँ व चावल के उत्पादन क्षेत्र में कितनी वृद्धि हुई है?

3. सन 2009-10 में कुछ सब्ज़ियों का उत्पादन यदि 300 मिलियन टन हुआ था तो 2 वर्ष पश्चात कितने मिलियन टन का उत्पादन हुआ? चित्र के आधार पर बताएं।

4. 'जय जवान, जय किसान' का नारा _____लगाया था।

क)सुभाष चंद्र बोस ख) लाला लाजपत राय

ग) लाल बहादुर शास्त्री घ) महात्मा गांधी

5. आपके जीवन में किसान वर्ग क्या भूमिका निभाता है?

क्रम संख्या	**दक्षता**	**प्रकार**	**संज्ञानात्मक स्तर**
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
2	सूचना के पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
3	विश्लेषण	तार्किक	सरल
4	व्यापक समझ	बहुविकल्पी	औसत
5	व्यापक समझ	रचनात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1.	FullCredit	गेहूं, कपास, चावल, सब्जी, दलहन
	PartialCredit	उपरोक्त में से कोई भी दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	FullCredit	गेहूं 88.31मिलियनटन,चावल102.75 टन
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	FullCredit	3120 मिलीयन टन
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4.	FullCredit	लाल बहादुर शास्त्री
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	FullCredit	किसान वाणिज्यिक फसलों, कच्चे माल ,खाद्य फसलों और तिलहन का उत्पादक है (कोई दो)
	PartialCredit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 20

स्रोत : इन्टरनेट से साभार	**कक्षा - 9**	**भाग - 2**
पाठ का प्रकार : अनुच्छेद	**उप विषय : योजनाएँ और किसान**	

सीखने के प्रतिफल :

901. सामाजिक मुद्दों (जेंडरभेद, जातिभेद, विभिन्न प्रकार के भेद)प र कार्यक्रम सुनकर/देखकर अपनी राय व्यक्त करते हैं। जैसे-जब सब पढ़ें तो पड़ोस की मुसकान क्यों न पढ़े? या मुसकान अब पार्क में क्यों नहीं आती?

903. पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने/समझने को उत्सुक हैं और उन्हें पढ़ते हैं।

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओंपर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

910. सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादिकर पाते हैं।

912. संगीत, फ़िल्म, विज्ञापनों खेल आदि की भाषा पर ध्यान देतेहैं। जैसे--- उपर्युक्त विषयों की समीक्षा करते हुए उनमें प्रयुक्तरजिस्टरों का उपयोग करते हैं।

916. हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी के प्रति अपनी रुचि व्यक्तकरते हैं तथा इनमें प्रयुक्त होने वाली भाषा को जानने की उत्सुकता रखते हैं।

न तो गांधीजी ने इसकी कल्पना की होगी, न ही प्रेमचंद ने। लेकिन इस कृषि प्रधान देश में सचमुच ऐसा समय आ गया है जब सरकारें किसानों को किसानी छोड़ने की नसीहत देने को मजबूर हैं। ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना(2007-2012) के लिए जो ड्राफ्ट अप्रोच पेपर प्लानिंग कमीशन ने इधर जारी किया है, उसका एक निष्कर्ष यह है कि अगर किसानों को बदहाली और कंगाली से बचाना है तो अगले 5 वर्ष के दौरान लगभग एक करोड़ लोगों को खेतीबाड़ी निकाल कर दूसरे काम धंधों से जोड़ना होगा। तभी भारतीय कृषि का चेहरा गुलाबी रह पाएगा। सवाल यह उठता है कि जिस मुल्क में आज भी 70% आबादी खेती से गुजर बसर कर रही हो,जहाँ आज भी एक चौथाई आबादी पेट भरने के लिए पर्याप्त अनाज नहीं जुटा पाती हो, वहां खेती के साथ इतना छुआछूत बरतने की नसीहत क्यों दी जा रही है? स्पष्ट है, ग्रोथ रेट का फर्क। जो किसानों को लगातार सापेक्ष रूप से गरीब बनाता जाएगा। बढ़ती महंगाई किसान की वास्तविक आय को निरंतर कम करती जाएगी। डेनमार्क जैसे एकाध अपवाद को छोड़कर दुनिया में कोई देश ऐसा नहीं है जो सिर्फ खेती-बाड़ी के बल पर विकसित देशों की श्रेणी में आ पाया हो। हालाँकि इधर महंगाई को लेकर बहुत शोर मच रहा है लेकिन अगर आप कृषि उत्पादों की तुलना 10 साल पहले की कीमतों से करें तो यह एहसास आपको अचंभे से भर देगा कि कीमतों में भारी फर्क नहीं आया है, जबकि इस बीच हमारी आपकी तनख्वाह और बाज़ार की दूसरी चीजों के दाम कहाँ से कहाँ पहुँच गए है। किसान को प्रति किलो उपज पर मिलने वाली वास्तविक आमदनी लगातार कम हो रही है। ये देश का दुर्भाग्य नहीं तो और क्या है कि शहर का वोटर महंगे प्याज पर सरकारें गिरा सकता है लेकिन कौड़ियों के भाव बिकते प्याज से बर्बाद हुए किसान को आत्महत्या करते चुपचाप देखता रहता है। भविष्य और भी भयानक नजारे दिखा सकता है। मशीनीकरण बढ़ेगा, उससे बेलदारी, बटाई, खेती, मजदूरी के अवसर कम होते जाएँगे। प्लानिंग कमीशन उसी की नसीहत दे रहा है कि गाँवों को बिना खेती के जीना सिखाना होगा।

प्रश्न-

1. भारत के अधिकतर लोग किस व्यवसाय पर आश्रित हैं?

2. भारत की कितने प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से खेती-बाड़ी पर निर्भर है?

3. कौन सा देश खेती-बाड़ी के बल पर उन्नति कर पाया है?

क) अमेरिका ख) सूडान ग) भारत घ) डेनमार्क

4. यदि एक फसल मंडी में बेचकर किसान को ₹50000 मिलते हैं। जबकि उस फसल को उगाने के लिए उसे उस कीमत का 40% खाद, बीज, बिजली, पानी आदि पर खर्च करना पड़ा था,तो बताइए कि आय के रूप में किसान के हाथ असल में कितने रुपए आएँगे?

5. यदि आज एक आम किसान की मासिक आमदनी 6000 रुपए के करीब है और यही आमदनी सन् 2000 में 3000 रुपए के करीब थी। यदि महंगाई दर 10% प्रतिवर्ष के हिसाब से बढ़ी हो, तो बताइए कि किसान की आय सन 2000 के मुकाबले में बढ़ी या कम हुई?

क) बढ़ी ख) कम हुई ग) बराबर रही घ) शून्य हो गई

क्रम संख्या	**दक्षता**	**प्रकार**	**संज्ञानात्मक स्तर**
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
2	सूचना के पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
3	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	सरल
4	विश्लेषण	तुलनात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	तुलनात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1.	FullCredit	कृषि
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	FullCredit	70%
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	FullCredit	घ) डेनमार्क
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	FullCredit	30,000
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	FullCredit	ग) बराबर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 21

स्रोत : इन्टरनेट से साभार	कक्षा - 9	भाग - 2
पाठ का प्रकार : अनुच्छेद	उप विषय : यातायात सुरक्षा नियम	

सीखने के प्रतिफल :

902. अपने आस-पड़ोस के लोगों, स्कूली सहायकों या स्कूलीसाथियों की आवश्यकताओं को कह और लिख पाते हैं।

903. पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने/समझने को उत्सुक हैं और उन्हें पढ़ते हैं।

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओंपर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

914. अपने आस-पास के रोज़ाना बदलते पर्यावरण पर ध्यान देतेहैं तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सचेत होते हैं। जैसे–कलतक यहाँ पेड़ था, अब यहाँ इमारत बनने लगी?

918. अपने परिवेश की समस्याओं पर प्रश्न तथा साथियों सेबातचीत/चर्चा करते हैं।

'सड़क यातायात सुरक्षा नियम' एक प्रकार का ऐसा उपाय है जिससे सड़क दुर्घटनाओं में लोगों के घायल होने और उनसे मौतें होने जैसी घटनाओं को कम करने का प्रयास किया जाता है । सड़क का उपयोग करने वाले लोगों में पैदल चलने वाले, साइकिल, रिक्शा स्कूटर तथा गाड़ी चलाने वाले या सार्वजनिक यातायात साधनों का उपयोग करने वाले लोग शामिल होते हैं। सड़क यातायात सुरक्षा हेतु व्यवस्थाओं और जरूरतों को देखते हुए विशेष रणनीति बनाई जाती है और वाहनों की गति आदि की सीमा निर्धारित की जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वर्ष 2004 में 12 लाख से अधिक लोग सड़क हादसों के शिकार होकर मारे गए और 5 करोड़ से भी अधिक लोग जख्मी हुए। सबसे अधिक मौतें 10 से 19 वर्ष के लोगों की हुई, जो बहुत चिंता का विषय है। इसी से बचने हेतु समय-समय पर विश्व की सभी सरकारें यातायात से जुड़े नियमों की

जानकारी देती रहती हैं। यातायात से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण नियम व प्रतीक चिह्न इस प्रकार से हैं :-

1. ट्रैफिक लाइट्स:

भारी यातायात वाले क्षेत्रों में इस तरह की बत्तियों की व्यवस्था होती है ताकि जाम ना लगे और सुचारू रूप से ट्रैफिक चलता रहे। इन में लाल बत्ती का अर्थ होता है -रुकिए,पीली बत्ती का अर्थ है- तैयार हो जाइए और हरी बत्ती का अर्थ होता है चलिए। यह नियम साईकिल, रिक्शा अथवा पद यात्रियों पर भी लागू होते हैं, जिनके लिए अलग चिह्न निर्धारित किए गए हैं।

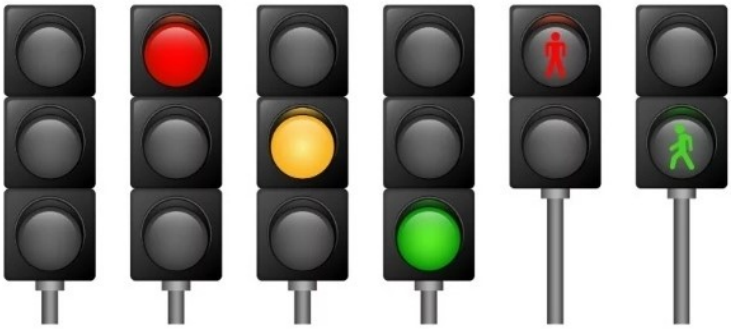

2. नो पार्किंग:

अर्थात् यहाँ किसी भी प्रकार का वाहन खड़ा करना मना है। इस तरह के चिह्न वाला बोर्ड अधिकतर भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों अथवा खुले स्थान की कमी वाले क्षेत्रों में लगाया जाता है।

3. अधिकतम गति सीमा:

यह चिह्न अधिकतम गति सीमा दर्शाता है। व्यक्ति इससे अधिक गति से वाहन नहीं चला सकता।

4. पशु चिह्न:

यह चिह्न दर्शाता है कि इस क्षेत्र में पालतू अथवा वन्य प्राणी विचरण करते हैं

जो वाहन से टकरा सकते हैं। उनकी और आप अपनी सुरक्षा हेतु सावधानी पूर्वक वाहन चलाएँ।

5. **चट्टानों का गिरना**:

ऐसे चिह्न वाला बोर्ड दर्शाता है कि इस क्षेत्र में पहाड़ों से पत्थर गिर सकते हैं, अतः अपना बचाव करते हुए ध्यानपूर्वक चलें।

6. कार्य प्रगति पर:

इसका अर्थ है कि सड़क पर निर्माण कार्य चल रहा है और मज़दूर काम में जुटे हैं। अतः आप अपनी और उनकी सुरक्षा ध्यान को रखते हुए धीमी गति से ध्यानपूर्वक वाहन चलाएँ।

7. हॉर्न बजाना मना है:

आधुनिक समाज में अनावश्यक और अधिक ऊँची आवाज़ में हॉर्न बजाना असभ्य व्यवहार माना जाता है। स्कूलों, अस्पतालों आदि के आसपास शाँत क्षेत्र होता है जहाँ हॉर्न बजाना पूर्णतया

वर्जित होता है।

8. वापस मुड़ना मना है:

सड़क के कुछ व्यस्त चौराहों अथवा सड़कों पर यू-टर्न लेना वर्जित होता है क्योंकि यह बहुत खतरनाक है। तेजी़ से आ रहा वाहन आपके वाहन के मुड़ने के कारण उससे टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो सकता है।

9. संकरा पुल:

ऐसे चिह्न वाले बोर्ड का मतलब है कि आगे संकरा फुल आने वाला है इसलिए अपने वाहन की गति धीमी कर लें व सावधान हो जाइए ताकि सामने से आ रहे वाहनों को भी आसानी से पुल पार करने के लिए पर्याप्त जगह मिल जाए।

10.फिसलन भरी सड़क:

ऐसे चिह्न वाला बोर्ड बर्फ पड़ने वाले क्षेत्रों अथवा सीलन भरी सड़कों के किनारे लगाये जाते हैं ताकि लोग वाहन धीरे व सावधानीपूर्वक चलाएँ ताकि उनके वाहन फिसलें ना।

11.आगे स्कूल है:

ऐसे चिह्न वाला बोर्ड स्कूल आने से पहले सड़क के किनारे लगा होता है ताकि चालक वाहन की गति कम कर लें क्योंकि बच्चे छोटे और नादान होते हैं तथा कई बार इतने सावधान नहीं होते।

12.रेलवे क्रॉसिंग:

यह चिह्न रक्षित समपार क्रॉसिंग के बारे में दर्शाता है। यहाँ चालक को सावधान हो जाना चाहिए क्योंकि कई बार रेलवे लाइन सड़क से क्रॉस करते हुए गुज़रती है।

1. हॉर्न बजाने के क्या लाभ और हानियाँ हो सकती हैं?

2. रिपोर्ट के मुताबिक सबसे अधिक मौतें 10 से 19 वर्ष के बच्चों की हुई हैं। आपके विचार से इसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं?

3. ध्यानपूर्वक देखकर बताइए कि इन दो चिह्नों वाले बोर्ड चंडीगढ़ शहर की सड़कों के किनारे लगे दिखाई क्यों नहीं देते?

4. कुछ नावों में मोटर लगी होती है जिससे लोग समुद्र में दूर तक जाकर ज्यादा मछलियां पकड़ सकते हैं। यदि एक नाव की गति 20 किलोमीटर प्रति घंटा है, तो वह 3 घंटों में समुद्र के अंदर कितना आगे तक मछली पकड़ने जा सकेगी?

5. स्कूल के वार्षिक खेल-दिवस पर आयोजित बच्चों की दौड़ में दूसरे स्थान पर आने वाले बच्चे को यदि कोई बच्चा पीछे छोड़ देता है तो वह किस स्थान पर आएगा?

क्रम संख्या	**दक्षता**	**प्रकार**	**संज्ञानात्मक स्तर**
1	सृजनात्मक	रचनात्मक	कठिन
2	सृजनात्मक	तुलनात्मक	कठिन
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तुलनात्मक	सरल
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	तार्किक	कठिन

उत्तरमाला :

1.	FullCredit	(लाभ)चलने वालों को सावधान करना, लेन बदलना ,ओवरटेक करना आदि , (हानि) अकारण हॉर्न बजाने से तनाव ,बहरापन, ध्वनि प्रदूषण, आकस्मिक दुर्घटनाएं आदि(कोई दो)
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक लाभ या हानि
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	FullCredit	यातायात के नियमों की अवहेलना, नाबालिग, नशा, हेलमेट बिना वाहन चलाना आदि।(विद्यार्थियों का तर्कसंगत उत्तर) उपरोक्त में से कोई भी एक
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	FullCredit	चंडीगढ़ में पहाड़ी क्षेत्र का न होना, बर्फ का न गिरना, पक्की सड़कें
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	FullCredit	60 किलोमीटर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

	FullCredit	दूसरे
5.	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर